तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,शुक्रवार 17 जुलाई 2026 ■ आषाढ़, शुक्ल पक्ष-3 ■ वर्ष -42 ■ अंक-110 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 18 जुलाई 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

'महतारी वंदन' पर सदन में मचा हंगामा

मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्षी सदस्यों ने किया किया वॉकआउट

रायपुर,17 जुलाई। साय सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के आंकड़ों में हेराफेरी का आरोप सदन में लगाया गया. कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने मुद्दा उठाते हुए पोर्टल नहीं खुलने की बात कही. इस पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सुशासन की सरकार का हवाला देते हुए सीख नहीं देने की नसीहत दे डाली. विपक्ष ने यह सुनते ही सदन में हंगामा शुरू कर दिया. नारेबाजी करते हुए विपक्ष ने सदन से वॉकआउट किया. कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने सदन में मंत्री से सवाल पूछा कि कितनी पात्र महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ जून 26 तक मिला? जिनको नहीं मिला उसकी वजह क्या है? इस पर मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने बताया कि प्रारंभ में कुल 70,27,154 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से पात्र

70,09,658 को प्रथम भुगतान किया गया. मंत्री ने बताया कि जून 26 की स्थिति में 68,54,003 महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ दिया जा रहा है. 1,55,600 ऐसे हैं, जिनकी मृत्यु हो गई या EKYC नहीं हुआ है. जिसके साथ-साथ आयकरदाता भी योजना में नहीं शामिल हैं. EKYC के कारण 2% महिलाओं का महतारी वंदन का पैसा रुका है. इस पर उमेश पटेल ने कहा कि मई महीने में 36000 महिलाओं का EKYC बाकी है. 55,000 महिलाओं को काटा है. तो 1 लाख लोग बचे हैं. इस पर मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने कहा कि 1,23,000 महिलाओं की मृत्यु हो गई है. इस पर उमेश पटेल ने पूछा मार्च 24 से पोर्टल नहीं खुला है. यह कब तक खुलेगा? इस पर मंत्री ने कहा कि सुशासन की सरकार है. हमने सरकार बनते ही 2 महीने में पैसा दे दिया आप न सिखाएं. इसके साथ ही सदन में हंगामा शुरू हो गया. दोनों पक्षों की तरफ से नारेबाजी शुरू हो गई. इसके साथ महतारी वंदन योजना पर मंत्री लक्ष्मी राजवेड़े के जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस के विधायकों ने सदन से वॉकआउट किया.

साय सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू

रायपुर,17जुलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को साय सरकार के खिलाफ कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई. नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर चरण दास महंत ने 136 बिंदुओं का आरोप पत्र पेश किया. भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि पहली बार ये हो रहा है कि अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत नेता प्रतिपक्ष कर रहे हैं. ये स्थिति बताती है कि विपक्ष के सदस्यों को ही उन पर विश्वास नहीं है. इस पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विपक्षी सदस्यों का हाथ उठाकर नेता प्रतिपक्ष पर विश्वास होने का समर्थन किया.

स्कूल वाहन ट्रेन की चपेट में आया तीन की मौत

कोलकाता, 17 जुलाई। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में गुरुवार को बड़ा रेल हादसा हो गया। गोविंदपुर रेल गेट पर स्कूली बच्चों को लेकर जा रहा वाहन ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में दो बच्चों और एक बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि कई स्कूली बच्चे घायल हो गए। एक साइकिल सवार भी हादसे में घायल हुआ है। जानकारी के मुताबिक, स्कूली बच्चों से भरा वाहन गोविंदपुर रेलवे क्रॉसिंग पार कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रेन आ गई और वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल बच्चों का बेरहामपुर अस्पताल में इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। शुरुआती जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि रेलवे क्रॉसिंग पार करते समय लापरवाही हुई या कोई अन्य वजह हादसे का कारण बनी।

तकनीकी शिक्षा विभाग में बड़ा फेरबदल

रायपुर,17 जुलाई। छत्तीसगढ़ के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग ने बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए व्याख्याताओं और प्रशिक्षकों का तबादला किया है। इस संबंध में स्थानांतरण आदेश जारी कर अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार संचालनालय तकनीकी शिक्षा के अधीन कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण किया गया है। सभी को आगामी आदेश तक नई पदस्थापना स्थल पर अस्थायी रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के अमित बघेल को जमानत

रायपुर/नई दिल्ली: जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी (JCP) के प्रमुख नेताओं–अमित बघेल, अजय यादव और दिनेश वर्मा—को देश की शीर्ष अदालत (सुप्रीम कोर्ट) से बहुत बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने तीनों ही नेताओं की नियमित जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश जारी कर दिया है। इससे पहले, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने इन नेताओं की जमानत याचिकाओं को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि मामले की जांच चल रही है.

कोटवार ने हाईकोर्ट में कहा- 'मैं जिंदा हूं साहब...'

बिलासपुर,17 जुलाई। सरकारी तंत्र की लापरवाही का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिस व्यक्ति के जीवित होने के पर्याप्त सबूत थे और जो खुद अपने हक की लड़ाई लड़ रहा था, उसे सरकारी रिकार्ड में मृत घोषित कर नौकरी से हटा दिया गया था। मामला हाई कोर्ट पहुंचा तो जस्टिस राकेश मोहन पांडेय की एकलपीठ ने कमिश्नर के आदेश को निरस्त करते हुए न सिर्फ कर्मचारी को राहत दी, बल्कि प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए। जशपुर जिले के मनोरा तहसील स्थित ग्राम गजमा निवासी मरियानुस एक्का ग्राम पंचायत में कोटवार के पद पर कार्यरत थे। इस नियुक्ति को लेकर सुबोध कुमार तिर्की ने अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष चुनौती दी थी। अनुविभागीय अधिकारी ने मामले को खारिज कर दिया, लेकिन मामला सरगुजा कमिश्नर के न्यायालय में अपील के रूप में पहुंचा। 18 जून 2018 को कमिश्नर ने एक ऐसा आदेश पारित किया, जिसने सबको चौंका दिया। कमिश्नर ने याचिका को स्वीकार करते हुए तर्क दिया कि याचिकाकर्ता मरियानुस एक्का अब इस दुनिया में नहीं हैं, लिहाजा उनकी नियुक्ति निरस्त की जाती है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट ने राज्य शासन को जवाब तलब किया। सरकारी वकील केशव गुप्ता ने जांच के बाद कोर्ट को आधिकारिक तौर पर सूचित किया कि याचिकाकर्ता मरियानुस एक्का वास्तव में जीवित हैं। शासन की इस स्वीकारोक्ति के बाद सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। हाई कोर्ट में पेश हुए तो स्थिति हुई स्पष्ट कमिश्नर के आदेश से मरियानुस एक्का स्तब्ध रह गए। उन्होंने अधिवक्ता राजेंद्र पटेल के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका दायर की। कोर्ट में जब याचिकाकर्ता खुद हाजिर हुए, तो स्थिति स्पष्ट हो गई। अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि सरकारी रिकार्ड में जिसे मृत बताया गया है, वह जीवित व्यक्ति के रूप में ईसाप की गुहार लगा रहा है।

जींद से दौड़ी देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन

पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी; 90 किमी के सफर में 12 स्टॉपेज

जींद, 17 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज जींद रेलवे स्टेशन से भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ट्रेन जींद-सोनीपत के बीच करीब 90 किलोमीटर का सफर तय करेगी। इस ऐतिहासिक मौके पर स्कूली बच्चों समेत बड़ी संख्या में यात्रियों ने ट्रेन में सफर किया। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। ट्रेन में कुल 10 डिब्बे हैं और इसमें एक साथ करीब 2,400 यात्रियों के सफर करने की क्षमता है। जींद से सोनीपत के बीच चलने वाली इस ट्रेन के रूट पर 12 स्टॉपेज होंगे, जिससे आसपास के गांवों और कस्बों के लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। ट्रेन में यात्रियों के सामान रखने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है, ताकि लंबे सफर के दौरान उन्हें परेशानी न हो। हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली यह ट्रेन भारतीय रेलवे के लिए एक बड़ी तकनीकी उपलब्धि मानी जा रही है। इसके संचालन से रेलवे के हरित और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश भी गया है। भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के पहले सफर में स्कूली बच्चों को भी शामिल किया गया। बच्चों के लिए यह यात्रा बेहद खास रही। देश में पहली बार हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन में सफर करने का अवसर मिलने पर बच्चों में खासा उत्साह नजर आया। जींद से शुरू हुआ यह सफर भारतीय रेलवे के नए और हरित भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

राशन दुकानों में मसाला बेचने के मामले की होगी जांच

रायपुर,17 जुलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन प्रश्नकाल के दौरान विधायक सुशांत शुक्ला ने राशन दुकानों के जरिए मसाला बेचने का आरोप लगाया. मंत्री दयाल दास बघेल के जानकारी नहीं होने बात कहने पर विधायक ने दस्तावेज हाथ में होने की बात कही. इस पर मंत्री बघेल ने दस्तावेज दिए जाने पर जांच कराने का आश्वासन दिलाया. भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने अपने सवाल की शुरुआत राशन दुकानों के बचत स्टॉक के सत्यापन से की. उन्होंने आरोप लगाया कि जानकारी छिपाई जा रही है. अप्रैल 2025 तक की जानकारी दिए जाने की बात कहते हुए विधायक ने सवाल किया कि आखिर क्यों पूरी जानकारी छिपाई जा रही है? इस पर मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि हमने जांच कराई है. अधिकारी लगातार एक-एक दुकानों का जांच करते हैं. शिकायत सामने आने पर कार्यवाही भी की गई है.इस पर विधायक सुशांत शुक्ला ने पूछा कि कौन-कौन से राशन आम जानों को उचित मूल्य के तहत दिया जाता है? उसका मेंटेनेंस कौन कर रहा है?

रायपुर,17 जुलाई। ग्राम नकटी में 80 परिवारों को बेदखल किये जाने के खिलाफ कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने आज लोकभवन में राज्यपाल से मुलाकात कर चर्चा की।

लकवाग्रस्त पिता की डंडे से पीट-पीटकर हत्या

रतनपुर/बिलासपुर,17 जुलाई। जिस बेटे को बुढ़ापे का सहारा माना जाता है, उसी ने अपने पिता की जिंदगी छीन ली। बिलासपुर जिले के रतनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नवागांव (गिरजाबंद) में रिश्तों को झकझोर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां नशे में धुत एक युवक ने अपने लकवाग्रस्त और बिस्तर पर पड़े 65 वर्षीय पिता की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं, पिता की हत्या के बाद वह अपनी मां को भी मारने के इरादे से बहन के घर पहुंच गया। पुलिस ने समय रहते पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

मृतक रिखी राम सूर्यवंशी (65 वर्ष) लंबे समय से पैरालिसिस से पीड़ित थे और बिस्तर पर ही रहते थे। आरोपी उनका बेटा शिवचरण सूर्यवंशी (38 वर्ष) है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शिवचरण लंबे समय से नशे का आदी था और आए दिन अपने माता-पिता के साथ मारपीट व अभद्र व्यवहार करता था। गुरुवार रात करीब 11 बजे वह नशे की हालत में घर पहुंचा। बेटे के आक्रामक व्यवहार को देखते हुए रिखी राम ने अपनी पत्नी को पास में रहने वाली बेटी के घर भेज दिया, क्योंकि आरोपी अक्सर दोनों के साथ मारपीट करता था। इसके बाद घर में मौजूद लकवाग्रस्त पिता पर आरोपी का गुस्सा फूट पड़ा। बताया जा रहा है कि "पड़े-पड़े बड़बड़ाता रहता है" कहते हुए उसने डंडे से पिता के सिर पर लगातार वार किए। गंभीर चोटों के कारण रिखी राम सूर्यवंशी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हैरानी की बात यह है कि हत्या के बाद भी आरोपी का गुस्सा शांत नहीं हुआ। वह अपनी मां को मारने के इरादे से बहन के घर पहुंच गया। परिजनों ने दरवाजा बंद कर लिया तो आरोपी उसे तोड़ने का प्रयास करने लगा। इसी बीच पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही

रतनपुर थाना प्रभारी निलेश पांडे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर लिया। एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

गांव में इस घटना के बाद मातम पसरा हुआ है। लोग यही कह रहे हैं कि जिस बेटे के सहारे माता–पिता ने पूरी जिंदगी बिताई, उसी ने बुढ़ापे की सबसे दर्दनाक कहानी लिख दी।

टापू बने कई मकान, भूख-प्यास से लोगों का हाल-बेहाल

बिलासपुर,17 जुलाई। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में बारिश का कहर देखने को मिल रहा है, जहां रातभर हुई बारिश के कारण कई जगहों पर जलभराव की स्थिति बन गई है। शहर की सड़कें, निचली बस्ती और कॉलोनियां तालाब बन गईं। कई घर तो टापू में तब्दील हो गए, जिसके कारण लोग घर तक छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। बिलासपुर-दोमहानी में बाढ़ का कहर देखने को मिला है, जहां 10 से अधिक मकान टापू बन गए और रातभर बाढ़ के पानी में कई परिवार फंसे रहे। इतना ही नहीं छोटे-छोटे मासूम बच्चे भी पानी के बीच घिर गए और भूख-प्यास से बेहाल हो गए। लगातार बढ़ रहे जलस्तर के कारण हर पल खतरा भी बढ़ रहा है। सभी लोगों की निगाहें राहत-बचाव की आस में टिकी हुई है। सरकंडा बंधवापारा इलाके में घरों में पानी भर गया, जिसके कारण स्थानीय रहवासी घर छोड़ने पर मजबूर हो गए हैं। सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कराया जा रहा है। बता दें कि इस बार निगम ने दावा किया था कि जलभराव नहीं होगा, लेकिन शहर में जलभराव ने निगम के दावे की पोल खोलकर रख दी है। इतना ही नहीं कई इलाकों में बिजली बंद होने से भी लोग हलाकान है।

बिलासपुर में 1993-94 के बाद बारिश का सबसे ज्यादा असर देखने को मिल रहा है। लगातार बारिश से अरपा चेक डैम की नहर मानिकपुर के पास टूट गई, जिसके कारण गांव में तेजी से पानी घुस गया और कई घर जलमग्न हो गए। देवरीखुर्द, मानिकपुर समेत कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जिसके कारण लोगों में दहशत का माहौल है। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है।

जाति प्रमाण पत्र, सर्विस रिकॉर्ड समेत सरकारी कर्मचारियों की निजी जानकारी नहीं होगी सार्वजनिक

बिलासपुर,17 जुलाई। हाईकोर्ट ने सूचना के अधिकार के तहत शासकीय कर्मचारियों की निजी जानकारी और सर्विस रिकॉर्ड साझा करने के संबंध में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि किसी लोक सेवक के व्यक्तिगत दस्तावेज, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता, नियुक्ति के समय दिया गया हलफनामा और सर्विस रिकॉर्ड उसकी व्यक्तिगत जानकारी के दायरे में आता है। कोर्ट ने जन सूचना अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जब तक किसी मामले में कोई बड़ा जनहित प्रमाणित न हो, तब तक आरटीआई के तहत ऐसी निजी जानकारियां साझा नहीं की जा सकती। मामला रायगढ़ जिले के लैलूंगा तहसील में पदस्थ याचिकाकर्ता रामनाथ सिंह का है। उनकी नियुक्ति 7 मार्च 2024 को पटवारी के पद पर हुई थी। वर्तमान में वे पटवारी हल्का नंबर 30, कामरगा में कार्यरत है। नियुक्ति के बाद एक निजी संगठन क्राइम फ्री इंडिया फोर्स ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)-सह-जन सूचना अधिकारी, लैलूंगा के समक्ष आरटीआई के तहत आवेदन प्रस्तुत किया।

उपभोक्ता फोरम के फैसले को मारुति सुजुकी देगी चुनौती

रायपुर,17 जुलाई। छत्तीसगढ़ के रायपुर में सामने आए E-20 विवाद के बीच जायंट ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी ने बड़ा फैसला किया है. कंपनी अब जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के आदेश को चुनौती देगी. ई-20 से जुड़ी शिकायत पर आयोग ने कंपनी को ग्राहक की कार बदलकर ई-20 अनुकूल मॉडल से बदलने या खरीद की पूरी रकम वापस करने का निर्देश दिए थे. मारुति सुजुकी ने कहा कि हमें जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, रायपुर के एक आदेश की जानकारी मिली है, जिसमें मारुति सुजुकी को ग्राहक के वाहन को एक नए E20 अनुकूल वाहन से बदलने का निर्देश दिया गया है.

दो टुकड़ों में बंटा ट्रक

रायपुर,17 जुलाई। राजधानी रायपुर के संतोषी नगर ओवरब्रिज पर शुक्रवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर ओवरब्रिज पर पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि ट्रक के दो हिस्से हो गए और उसका मलबा सड़क पर दूर तक फैल गया। हादसे के बाद ओवरब्रिज पर यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। सड़क पर ट्रक के टूटे हिस्से और बिखरे सामान के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस और यातायात विभाग की टीम मौके पर पहुंची और यातायात को नियंत्रित करने के साथ क्रेन की मदद से ट्रक को हटाने का अभियान शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के समय बारिश के कारण सड़क फिसलन भरी थी, जिससे ट्रक चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। हालांकि दुर्घटना के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को बोल बम समिति के संयोजक जितेन्द्र वर्मा ने 17 अगस्त को होने वाले विशाल बोल बम कांवर यात्रा में किया आमंत्रित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 17 जुलाई। बोल बम कांवर यात्रा समिति, पाटन के संयोजक एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने छत्तीसगढ़ विधानसभा भवन में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी से सौजन्य भेंट कर 17 अगस्त को आयोजित होने वाली विशाल बोल बम कांवर यात्रा महोत्सव में आमंत्रण किया। इस अवसर पर श्री वर्मा ने मुख्यमंत्री जी को यात्रा की रूपरेखा, तैयारियों एवं आयोजन के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन के तीसरे सोमवार को पाटन से टोलाघाट तक हजारों शिवभक्तों की सहभागिता से भव्य कांवर यात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री गजेंद्र यादव जी प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

समिति के संयोजक जितेन्द्र वर्मा ने मुख्यमंत्री जी को बताया कि बोल बम कांवर यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता, सेवा, अनुशासन एवं जनआस्था का विराट उत्सव है। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए ÷बोल बम÷ के जयघोष के साथ पाटन से टोलाघाट तक पैदल यात्रा करेंगे। आयोजन को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने के लिए चिकित्सा सहायता, पेयजल, भोजन, विश्राम, सुरक्षा, यातायात एवं स्वच्छता सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए जितेन्द्र वर्मा एवं बोल बम कांवर यात्रा समिति के सदस्यों को आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर समिति की ओर से अधिक से अधिक श्रद्धालुओं, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, युवा मंडलों, महिला समूहों, जनप्रतिनिधियों तथा क्षेत्रवासियों से 17 अगस्त को पाटन से टोलाघाट तक निकलने वाली इस भव्य कांवर यात्रा में सहभागिता कर आयोजन को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने की अपील की गई।

आयोजन के दूसरे दिन वैद्यों ने जड़ी बूटियों से इलाज के अनुभव बताए

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 17 जुलाई। नगर पंचायत उतई के मंगल भवन में आयोजित आखिल भारतीय वैद्य शपथ ग्रहण समारोह की द्वितीय दिवस के अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय वैद्य संगठन श्री भुगु का पुष्प गुच्छ भेट कर स्वागत की गई तत पश्चात वैध संगोष्ठी में शामिल पूर्व भारत वर्ष के वैद्य राजो ने अपने अपने जड़ी बूटियों एवं रोग एवं निदान के साथ साथ प्रकृति में मिलने वाले जड़ी बूटियों को पहचानने और सहेजने के बारे में अपने अनभव सांझा किये अन्य प्रदेशों से आये वैद्य जनो ने औषधि शिविर के साथ नेत्र शिविर का आयोजन की गई थी।प्रथम दिवस विशिष्ट अतिथि के विजय बघेल के दुवारा प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण साहू को नियुक्त पत्र दे कर सपथ दिलाई गई।प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण साहू ने दुर्ग जिले के नगर पंचायत उतई में आयोजन के लिए दूर दूर से आये सभी पदाधिकारियों और सभी वैध जनो के प्रति अपना अभार पकट करते हुए सफल आयोजन के लिए बधाई प्रेषित की

इसअवसर पर ,वैद्य संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भृगु जी , राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गुरुदेव वीरेंद्र देशमुख,डॉ देव प्रकाश शर्मा ,राष्ट्रीय महासचिव राजेंद्र डकाटे, राषटीय कोषाध्यक्ष संतोष कुमार स्वर्णकार आदि वरिष्ठ वैध छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण साहू ,जिला अध्यक्ष गजानंद देवांगन ,सुरेंद्र बाबू गुप्ता तथा प्रोफेसर संजय कुमार शर्मा, संगठन के वरिष्ठ वैध जन प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

एक नजर

30 पौवा शराब सहित युवक गिरफ्तार

भिलाई, 17 जुलाई (तछसं.)। भिलाई उतई थाने पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 30 पौवा देशी मसाला शेरा शराब जब्त की है बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 3 हजार रुपये बताई गई है उतई टीआई मोहन भरद्वाज ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि चंदरिया नाला, पतोरा क्षेत्र में एक युवक अवैध रूप से शराब बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ लिया पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम धनेश्वर यादव (25 साल) निवासी जवाहर चौक, शीतला पारा, ग्राम सेलूद, थाना उतई, जिला दुर्ग बताया। तलाशी के दौरान उसके पास रखी प्लास्टिक की बोरी से 30 पौवा देशी मसाला शेरा शराब 5.4 बल्क लीटर बरामद हुई थाना उतई में आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) में मामला दर्ज किया गया आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

चाकू से डराकर छात्रों से लूट

भिलाई, 17 जुलाई (तछसं.)। भिलाई सुपेला थाना क्षेत्र के भेलवा तालाब गार्डन में स्कूली छात्रों को चाकू दिखाकर आरोपियों ने नगदी रकम व मोबाइल लूट लिए सुपेला थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दिया है सुपेला थाने पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी एवं एक अपचारी बालक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है सुपेला प्रभारी पारस ठाकुर ने बताया कि प्रार्थिया सुश्री शशि रेखा निवासी आर्य नगर कोहका जिला न्यायालय में अधिवक्ता है उसका भतीजा एम लक्ष्मण रेड्डी 15 जुलाई को स्कूल गया हुआ था देर हो जाने के कारण वह अपने दोस्तों निशान साहू और दिलेश वारिक के साथ घर लौट रहा था रास्ते में तबीयत खराब होने पर तीनों ने नेहरू नगर स्थित भेलवा तालाब गार्डन में थोड़ी देर आराम करने के लिए रुक गए थे इसी दौरान लगभग 12÷45 बजे तीन युवक वहां पहुंचे और उनके साथ गाली-गलौज करने लगे। आरोपी मोनू सोनी, शिव नाग और एक अन्य ने अपने आप को इलाके का दादा कहते हुए चाकू दिखाया और छात्रों से रुपये एवं मोबाइल की मांग की इनकार करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और निशांत साहू की जेब से 450 रुपए, दिलेश वारिक का मोबाइल जबरन छीनकर फरार हो गए पुलिस मामले की जांच कर रही है ।

नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी

भिलाई, 17 जुलाई (तछसं.)। भिलाई चन्दूलाल चंद्राकर अस्पताल कचांदूर और जिला अस्पताल दुर्ग में भर्ती नौकरी लगाने के नाम पर बड़ी ठगी का मामला सामने आया है पुलिस ने श्री शंकराचार्य अस्पताल जुनवानी अटेण्डर विज्जू चंद्रा पिता भुबन चन्द्रा के खिलाफ धारा 318 (4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है। प्रार्थिया स्वेच्छा रानी पिता तारन सिंह उम्र (30 साल) निवासी सिकोला भाठा दुर्ग ने चौकी स्मृतिनगर थाना सुपेला में अपनी शिकायत में बताई कि वर्ष 2022 में उनके साथ श्रीशंकराचार्य अस्पताल जुनवानी में काम करने वाला अटेण्डर विज्जू चंद्रा पिता भुबन चन्द्रा निवासी डौंडीलोहारा जिला बालोद के द्वारा शासकीय नौकरी लगाने के नाम से नगद एवं ऑनलाईन के माध्यम से कुल 10,55,698 रुपए छलपूर्वक प्राप्त कर धोखाधड़ी किया है। बिज्जू ने चन्दूलाल चंद्राकर अस्पताल कचांदूर और जिला अस्पताल दुर्ग में भर्ती कराने के लिए नगद 4.72 लाख रुपए लिया और ऑनलाइन 5,83,698 रुपए लिया है। नौकरी के लिए पूछने पर बिज्जू चंद्रा के द्वारा टालमटोल कर नम्बर ब्लॉक कर दिया ।

हथियार से डरा रहा था,गिरफ्तार

भिलाई, 17 जुलाई (तछसं.)। पुरानी भिलाई टीआई विजय यादव ने बताया कि थाना पुरानी भिलाई को मुखबिर से सूचना मिली कि भिलाई-03 स्थित श्मशान घाट के पास एक व्यक्ति अपने पास धारदार हथियार रखकर आने-जाने वाले लोगों को डरा-धमका रहा है, जिससे क्षेत्र में भय का वातावरण निर्मित हो रहा है।

सूचना पर थाना पुरानी भिलाई पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की तथा आरोपी मोहम्मद इमरान (25 साल) निवासी प्रगति नगर, जोन-01 चरोदा को पकड़कर उसके कब्जे से एक नग धारदार हथियार बरामद किया है।

बीएसपी एवं अडाणी टोटल गैस के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 17 जुलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र एवं अडाणी टोटल गैस लिमिटेड एटीजीएल के मध्य भिलाई इस्पात संयंत्र तथा टाउनशिप में पाइप्ड नेचुरल गैस की आपूर्ति के लिए बृहस्पतिवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता स्वच्छ सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने तथा संयंत्र की ऊर्जा दक्षता में वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह में भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड के अध्यक्ष एवं पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैन एवं बीएसपी के निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर अडाणी टोटल गैस लिमिटेड की ओर से नविंदरजीत सिंह बेदी तथा भिलाई इस्पात संयंत्र की ओर से मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी बीके बेहरा ने समझौता ज्ञापन का आदान.प्रदान किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक एण् केण् चक्रवर्तीए कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगमए कार्यपालक निदेशक पवन कुमारए कार्यपालक निदेशक पीण् केण् सरकारए कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार सहित संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र में पाइप्ड नेचुरल गैस पीएनजी के उपयोग का विस्तार करने वर्तमान में प्रयुक्त प्रोपेन एवं एलपीजी के स्थान पर तकनीकी रूप से व्यवहार्य क्षेत्रों में पीएनजी अपनाने की संभावनाओं तथा दोनों संगठनों के मध्य ऊर्जा क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर उप प्रबंधक जनसंपर्क सुश्री शालिनी चौरसिया द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र का विस्तृत प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने कहा कि यह साझेदारी दोनों संस्थानों के लिए दीर्घकालिक रूप से लाभकारी सिद्ध होगी तथा स्वच्छ सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ.साथ ऊर्जा दक्षता एवं सतत विकास के लक्ष्यों को भी नई गति प्रदान करेगी।

समीक्षा बैठक में विकास और जन सुविधाओं पर आयुक्त सुरुचि सिंह का विशेष जोर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 17 जुलाई। नगर निगम की आयुक्त सुश्री सुरुचि सिंह ने अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर शहर के विकास, नागरिक सुविधाओं और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि निगम का उद्देश्य केवल विकास कार्यों को पूरा करना नहीं, बल्कि हर नागरिक की समस्या का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने शहर की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए निर्देश दिए कि आगामी मरम्मत संबंधी निविदाएं अब सीधे जोन स्तर से की जाएं, ताकि स्थानीय स्तर पर शिकायतों का त्वरित निराकरण हो सके और नागरिकों को बेहतर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध हो। गिरते भूजल स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए आयुक्त ने वर्षा जल संचयन के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने शहरवासियों से भी भावनात्मक अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक परिवार अपने घर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण करे। यह केवल आज की जरूरत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी है। यदि आज हम जल संरक्षण के प्रति सजग होंगे, तो कल भिलाई को पेयजल संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। बैठक में शहर को अधिक हरित और स्वच्छ बनाने के लिए व्यापक पौधारोपण अभियान तथा पौधों की सुरक्षा हेतु ट्री-गार्ड जैसी व्यवस्थाओं पर भी विशेष जोर दिया गया। आयुक्त ने कहा कि हर लगाया गया पौधा भविष्य की स्वच्छ हवा, बेहतर पर्यावरण और स्वस्थ जीवन का आधार है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का निर्धारित समय सीमा के भीतर संवेदनशीलता और गुणवत्ता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन का प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो। बैठक में 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही निगम के बकाया बिजली बिलों के भुगतान, बिजली खपत को नियंत्रित करने तथा शासकीय कार्यों में पारदर्शिता और गति लाने के लिए सभी विभागों को शत-प्रतिशत ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से कार्य करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर आयुक्त सुश्री सुरुचि सिंह ने कहा कि नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना और पर्यावरण का संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का समयबद्ध, ईमानदारी और पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करें, ताकि भिलाई विकास के साथ-साथ बेहतर जीवन गुणवत्ता वाला शहर बन सके। बैठक में अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा, उपायुक्त नरेंद्र बंजारे एवं डी.के. कोसरिया, जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कुलदीप गुप्ता, ऐशा लहरे, अजय गौर, कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, संजय अग्रवाल, संजय वर्मा, अरविंद शर्मा, अनिल सिंह, नितेश मेश्राम, लेखाधिकारी चन्द्रभूषण साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, राजस्व अधिकारी जे.पी. तिवारी, उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू सहित निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रथयात्रा में शामिल हुए सांसद विजय बघेल व विधायक देवेंद्र यादव

रथयात्रा के अवसर पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने भी सहपरिवार महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने भिलाई के जनमानस की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं मंगलमय जीवन की कामना करते हुए महाप्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया। रथयात्रा मार्ग में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, प्रसाद एवं अन्य सेवा व्यवस्थाएं की गईं।

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 17 जुलाई। महाप्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा बृहस्पतिवार को भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर महाप्रभु के रथ का दर्शन किया और रथ खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया। पूरा वातावरण जय जगन्नाथ के जयघोष और भजन-कीर्तन से गुंजायमान रहा। सांसद विजय बघेल ने सेक्टर-6 स्थित उत्कल सांस्कृतिक परिषद के श्री गुण्डिचा मंडप, श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंचकर भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं देवी सुभद्रा की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती की। उन्होंने प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि, शांति तथा जनकल्याण की कामना करते हुए श्रद्धालुओं के साथ भगवान श्री जगन्नाथ के रथ को खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया। सांसद विजय बघेल ने भिलाई के साथ-साथ पाटन स्थित भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर ट्रस्ट अखरा की रथयात्रा में भी सहभागिता की। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता, भाईचारे और लोक कल्याण की महान परंपरा का प्रतीक है। यह पर्व समाज को एकता, सेवा और सद्भाव का संदेश देता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को रथयात्रा की शुभकामनाएं देते हुए भगवान जगन्नाथ से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

जामुल में जैतखाम के लिए हुआ स्थलपूजन

जामुल,17 जुलाई। नगर पालिका के वार्ड क्र. 20 सुरडुंग में दस लाख रूपये के लागत से गुरू घासीदास बाबा के जैतखाम के लिए नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने स्थल पूजन किया। उन्होंने बताया कि विकास कार्य तो आम जनता के सुविधा के लिए अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त हमारे युग पुरुषों हमारे समाज को नई दिशा देने वाले महान अनुभूतियों को सम्मान देना भी हम सब का कर्तव्य है। इस अवसर पर वार्ड पार्षद शांति टंडन, पार्षद अहेल्या वर्मा, विशेश्वर वर्मा, तुलाराम टंडन, बालक दास, उमेद वर्मा, संजय शर्मा, राजबती, भीखम लाल, देवबती, सरोज सेन, मनहु साहू, लता देवांगन, धनेश कृपाराम, मेहतरू राम, सोहन लाल, सुनिता, प्रेमुराम उपस्थित थे।

हिंदी में कार्य हमारी सांविधिक आवश्यकता ही नहीं राष्ट्रीय कर्तव्य भी है : ज्योतींद्र नाथ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 17 जुलाई। इस्पात भवन में महाप्रबंधक प्रभारी ज्योतीन्द्र नाथ ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक संजय द्विवेदी, महाप्रबंधक राजीव कुमार, महाप्रबंधक प्रताप शेखर नायक, महाप्रबंधक सुरजीत मल्लिक, उप महाप्रबंधक मनीष पंत सहित बड़ी संख्या में मानव संसाधन विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ज्योतीन्द्र नाथ ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम सभी हिंदी भाषी भारतीयों को हिंदी में कार्यालयीन कार्य करना, पत्राचार, नोटिंग, ई-मेल तथा वार्तालाप करना गर्व की अनुभूति देता है। हिंदी में कार्यालयीन कार्य हमारी सांविधिक आवश्यकता ही नहीं राष्ट्रीय कर्तव्य भी है। महाप्रबंधक राजीव कुमार ने राजभाषा हिंदी में कार्यालयीन कार्यों की अनिवार्यता, राजभाषा नीति, विभिन्न प्रावधानों तथा संसदीय समिति द्वारा निरीक्षण के परिपेक्ष्य में दैनंदिन कार्यों में हिंदी के महत्व का विशेष उल्लेख किया। महाप्रबंधक संजय द्विवेदी ने बताया कि भारत के भिन्न-भिन्न भाषा भाषी प्रदेशों के व्यक्तियों के मध्य भी संवाद की सरल भाषा है हिंदी, हिंदी हमारी प्रगति में सहायक है, अतः हमें हिंदी पर गर्व होना ही चाहिए। विभागीय प्रतिवेदन राजभाषा समन्वय अधिकारी एवं सहायक महाप्रबंधक रोहित हरित ने प्रस्तुत किया। उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने राजभाषा के सांविधिक प्रावधानों की जानकारी दी। संचालन रोहित हरित एवं निवेश विजयन ने आभार प्रदर्शन किया।

विधायक भावना बोहरा के निरंतर प्रयास के चलते पंडरिया शक्कर कारखाने में रिकॉर्ड समय में हुआ गन्ने की एफआरपी का भुगतान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 17 जुलाई। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के हजारों गन्ना उत्पादक किसानों के लिए बड़ी राहत और खुशी की खबर है। क्षेत्रीय विधायक भावना बोहरा के निरंतर प्रयासों और किसानों के हितों के प्रति उनकी संवेदनशील प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, पंडरिया द्वारा आज 18.97 करोड़ रुपये की शेष एफ.आर.पी. राशि का भुगतान जारी कर दिया गया। इसके साथ ही पेराई सत्र 2025-26 में किसानों से खरीदे गए गन्ने की एफ.आर.पी. राशि का शत-प्रतिशत भुगतान पूर्ण हो गया है। राज्य सरकार की स्पष्ट निति और विधायक भावना बोहरा के प्रयासों तथा किसानों से किये अपने वादे को पूरा करते हुए रिकॉर्ड समय में पंडरिया शक्कर कारखाना के किसानों को उनके खतों में एफ.आर.पी. के पूर्ण भुगतान की राशि हस्तांतरित होने से पंडरिया विधानसभा के गन्ना विक्रेता किसानों में उत्साह और हर्ष स्पष्ट रूप से दिखाई दिया और उन्होंने इस सौगात के लिए विधायक भावना बोहरा एवं प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। कारखाना के प्रबंध संचालक यू.के. कौशिक ने बताया कि पेराई सत्र 2025-26 में केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित 329.05 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गन्ना खरीदी की गई थी, जिसके एवज में किसानों को कुल 40.05 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाना था। इसमें से 21.07 करोड़ रुपये का भुगतान पूर्व में किया जा चुका था, जबकि शेष 18.97 करोड़ रुपये का भुगतान आज 4,961 गन्ना विक्रेता किसानों के खातों में जारी कर दिया गया। यह भुगतान 21 दिसंबर 2025 से 7 फरवरी 2026 तक गन्ना आपूर्ति करने वाले किसानों को जारी किया गया है। कारखाना प्रबंधन ने यह भी जानकारी दी कि सत्र की शेष रिकवरी राशि का भुगतान भी शीघ्र किया जाएगा। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, पंडरिया में इस वर्ष किसानों को एफ.आर.पी. राशि का पूर्ण भुगतान 15 जुलाई तक कर दिया गया, जो पिछले 5 वर्षों में सबसे तेज भुगतान है। इससे पहले सत्र 2021-22 में 12 सितंबर 2022, सत्र 2022-23 में 14 अगस्त 2023, सत्र 2023-24 में 19 सितंबर 2024, सत्र 2024-25 में 18 अक्टूबर 2025 को किया गया था और पांचवें वर्ष में सत्र 2025-26 में 15 जुलाई 2026 को किसानों को रिकॉर्ड समय में पूर्ण भुगतान किया गया। यह उपलब्धि किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाली पंडरिया विधायक भावना बोहरा की सक्रिय पहल और निरंतर प्रयासों से हुआ है।इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने समस्त गन्ना किसानों को बधाई देते हुए कहा कि किसानों का हित हमारी प्राथमिकता है और उनके अधिकारों के लिए हमारी निति स्पष्ट और नियत साफ़ है, क्योंकि हमारे किसान भाई-बहन पंडरिया विधानसभा की अर्थव्यवस्था और समृद्धि की सबसे मजबूत नींव हैं। उन्हें उनकी फसल का पूर्ण भुगतान जल्द से जल्द सुनिश्चित करने के इस विषय को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कारखाना प्रबंधन और शासन स्तर पर हमने लगातार संवाद किया और आज पंडरिया विधानसभा के गन्ना किसानों को रिकॉर्ड समय में एफ.आर.पी. का पूर्ण भुगतान उनके खतों में हस्तांतरित कर दी गई है। हमारा हमेशा से प्रयास रहा है कि हमारे किसानों को उनके परिश्रम का पूरा सम्मान मिले। इसी भावना के साथ लगातार प्रयास किए गए, जिसका परिणाम है कि इस वर्ष पहली बार पिछले 5 वर्षों की तुलना में सबसे कम समय में एफ.आर.पी. का शत-प्रतिशत भुगतान संभव हो सका।भावना बोहरा ने कहा कि किसान आर्थिक रूप से मजबूत होगा तभी गांव मजबूत होंगे और गांव मजबूत होंगे तो प्रदेश भी समृद्ध बनेगा। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने और किसानों को उनका पारिश्रमिक अधिकारी देने के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि किसानों के हितों से जुड़े प्रत्येक विषय को शासन एवं प्रशासन तक पहुंचाने व उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेंगी तथा शेष रिकवरी राशि का भुगतान भी जल्द से जल्द सुनिश्चित कराने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

एक नजर

राय गौरव रामप्रवेश ने विधिवत संभाला बलौदाबाजार-भाटापारा नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक का पदभार

बलौदाबाजार 17 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। आज दिनांक 16.07.2026 को भारतीय पुलिस सेवा (भापुसे) 2019 बैच के वरिष्ठ अधिकारी श्री राय गौरव रामप्रवेश ने जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के नए पुलिस अधीक्षक (एस्क) के रूप में विधिवत अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे पूर्व श्री राय गौरव रामप्रवेश जिला दंतेवाड़ा में पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे। ?पुलिस कार्यालय बलौदाबाजार पहुंचने पर निवर्तमान पुलिस अधीक्षक श्री ओ.पी. शर्मा द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात उन्होंने विधिवत रूप से नए पुलिस अधीक्षक को बलौदाबाजार-भाटापारा जिले का चार्ज सौंपा। पदभार ग्रहण करने के इस गरिमामय अवसर पर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक महोदय का आत्मीय स्वागत व अभिनंदन किया। स्वागत करने वाले अधिकारियों में मुख्य रूप से श्री अभिषेक सिंह (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, बलौदाबाजार), ?श्री हेमसागर सिदार (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भाटापारा), ?श्री तारेश साहू (अनुविभागीय अधिकारी पुलिस - एसडीओपी भाटापारा), ?श्री कौशल किशोर वासनिक (उप पुलिस अधीक्षक - डीएसपी कैंप कसडोल), ?श्री संजय साहू (उप पुलिस अधीक्षक - डीएसपी यातायात), ?श्रीमती उषा सोनिया (उप पुलिस अधीक्षक - डीएसपी), उषा ठाकुर रक्षित निरीक्षक उपस्थित थे। ?पदभार ग्रहण करने के पश्चात नए पुलिस अधीक्षक श्री राय गौरव रामप्रवेश ने उपस्थित अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया तथा जिले की सुरक्षा, कानून व्यवस्था एवं जन-केंद्रित पुलिसिंग को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई।

526 किमी की रेंज के साथ किआ की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी 'कैरेंस क्लाविस ईवी' लॉन्च

रायपुर, 17 जुलाई। किआ इंडिया ने भारतीय बाजार में अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी कैरेंस क्लाविस ईवी लॉन्च कर दी है। कंपनी के अनुसार यह अपने सेगमेंट में एआरएआई प्रमाणित 526 किलोमीटर तक की रेंज देने वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी है। इसकी प्री-बुकिंग देशभर में कंपनी की वेबसाइट और अधिकृत डीलरशिप पर 25,000 रुपये की राशि से शुरू हो गई है। वाहन में 51.4 kWh क्षमता का बैटरी पैक दिया गया है, जो एक बार पूर्ण चार्ज होने पर 526 किमी तक की रेंज प्रदान करता है। वहीं 42 kWh बैटरी पैक के साथ इसकी रेंज 443 किमी है। 100 kW डीसी फास्ट चार्जर से बैटरी को मात्र 39 मिनट में 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। नई एसयूवी में 30 इंच का ट्रिनिटी पैनोरमिक डिस्प्ले, हरमन कार्डन का 8-स्पीकर साउंड सिस्टम, ओवर-द-एयर अपडेट, लेवल-2 एडवांस ड्राइविंग असिस्टेंस सिस्टम तथा 25 मानक सुरक्षा फीचर दिए गए हैं। कंपनी लाइफटाइम हाई-वोल्टेज बैटरी वारंटी, एयरोड बायबैक और बैटरी-एज-ए-सर्विस जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध करा रही है।

सीसी रोड, नाली और चबूतरा निर्माण के लिए 13.26 लाख मंजूर

रायपुर 17 जुलाई। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने दुर्ग जिले के अमलेश्वर नगर पालिका में सीसी रोड, आरसीसी नाली और चबूतरा निर्माण के लिए 13 लाख 26 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने संचालनालय से इनकी मंजूरी के आदेश जारी कर दिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विकास ने अमलेश्वर नगर पालिका के वार्ड क्रमांक-12 में सीसी रोड के लिए 9 लाख 73 हजार रुपए और शिव मंदिर के बाजू में चबूतरा निर्माण के लिए 2 लाख 28 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। विभाग ने वार्ड क्रमांक-12 में ही आरसीसी नाली के निर्माण के लिए एक लाख 25 हजार रुपए मंजूर किए हैं।

नक्सल प्रभावित रहे सुकमा से खेल प्रतिभा की नई उड़ान

रायपुर. 17 जुलाई। कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में पहचाना जाने वाला सुकमा आज खेल, शिक्षा और युवा प्रतिभाओं के दम पर अपनी नई पहचान गढ़ रहा है। जिले की होनहार खिलाड़ी शैली गुप्ता इस परिवर्तन की मिसाल बनी हैं, जिन्होंने नई दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में 24 जून से 26 जून तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय मत्स्यगंधी-डो चैंपियनशिप में 49 किलोग्राम सीनियर महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत, छत्तीसगढ़ और सुकमा का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया है। नेपाल, भूटान और बांग्लादेश के खिलाड़ियों के बीच शानदार प्रदर्शन करते हुए शैली ने फाइनल मुकाबले में एकतरफा जीत दर्ज कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव और सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने शैली की इस शानदार सफलता पर उन्हें बधाई दी है। राज्य शासन द्वारा सुकमा में खेल अधोसंरचना के विकास, खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं में भागीदारी के अवसर तथा सरकार की खेल प्रोत्साहन योजनाओं का प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। दूरस्थ और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद जिले के युवा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। शैली गुप्ता की उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन, प्रशासनिक सहयोग और दृढ़ संकल्प से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय सफलता के बाद शैली गुप्ता ने अपने माता-पिता के साथ सुकमा के कलेक्टर श्री अमित कुमार से मुलाकात की।

कसडोल डायल-112 की संवेदनशीलता देख भावुक हुआ पीड़ित परिवार,जताया आभार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 17 जुलाई। हमे लगता था कि हम जैसे अत्यंत असहाय परिवार के घर पर भी महज एक फोन कॉल पर पुलिस की गाड़ी इतनी जल्दी नहीं पहुंचेगी, इसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी।« यह भावुक शब्द उस पीड़ित परिवार के हैं, जिसे आज थाना कसडोल की डायल 112 टीम ने न केवल घरेलू हिंसा और विवाद से बचाया, बल्कि उनके मन में पुलिस के प्रति अटूट विश्वास भी जगाया। शराब के नशे में विवाद, भयभीत थे मासूम बच्चे- आज दिनांक 16.07.2026 को थाना कसडोल के अंतर्गत आने वाले ग्राम बगार बोरसी से एक अत्यंत डरी-सहमी महिला ने डायल 112 पर कॉल करके सूचना (इवेंट) दी। महिला ने रोते हुए बताया कि उसके घर में एक पारिवारिक सदस्य द्वारा अत्यधिक शराब पीकर उसके मासूम बच्चों (पोते-पोतियों) के साथ बेरहमी से मारपीट और गाली-

गलौज की जा रही है, जिससे पूरा परिवार सहमा हुआ है। ?सूचना मिलते ही कसडोल डायल 112 की टीम बिना एक पल गंवाए तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई और अत्यंत दुर्गम परिस्थितियों के बावजूद कुछ ही मिनटों में पीड़ित परिवार के घर पहुंच गई।

पुलिस की गाड़ी देखकर खुशी से दौड़ पड़े मासूम- घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस टीम ने देखा कि पीड़ित परिवार अत्यंत गरीब और लाचार स्थिति में था, जिसके चार छोटे-छोटे बच्चे हैं। घर के सामने पुलिस की गाड़ी को रुकते देख, वे बच्चे जो कुछ देर पहले तक डर के मारे सहमे हुए थे, खुशी से झूम उठे।

मनोवैज्ञानिक समझाइश से शांत कराया विवाद- कसडोल डायल 112 की टीम ने अपनी मानवीय संवेदना और सूझबूझ का परिचय दिया। टीम ने स्थिति को भांपते हुए किसी भी आक्रामक तरीके के बजाय बेहद संवेदनशील और मनोवैज्ञानिक ढंग से विवाद करने वाले बुजुर्ग को समझाइश दी। पुलिस की व्यावहारिक समझाइश के बाद मामला पूरी तरह शांत हुआ और आरोपी ने अपनी गलती स्वीकार कर दोबारा ऐसी हरकत न करने की बात कही।

आखिरी व्यक्ति तक सुरक्षा पहुंचाना ही शासन का संकल्प- विवाद शांत होने के बाद जब पीड़ित महिला और उसके पति ने भावुक होकर कहा कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा कि इस बेरसाती मौसम में भी हम सब की मदद के लिए भी पुलिस इतनी मुस्तैदी से खड़ी है, तब डायल 112 की टीम ने उन्हें आत्मीयता से ढांढस बंधाया।

टीम ने उन्हें बताया:- यह डायल 112 योजना छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चलाई जा रही अत्यंत जनहितैषी योजनाओं में से एक है। डायल 112 की टीम हर पीड़ित, असहाय और जरूरतमंद की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे तत्पर है। पुलिस की इस आत्मीयता, संवेदनशीलता और मानवीय चेहरे को देखकर पीड़ित परिवार अत्यंत प्रभावित हुआ। जाते-जाते पीड़ित दंपति और उनके नन्हें बच्चों ने नम आंखों से छत्तीसगढ़ शासन और डायल 112 की पूरी टीम को हाथ जोड़कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

पुलिस की अपील:- घरेलू हिंसा या पारिवारिक विवाद के मामलों में मौन न रहें। आपकी सुरक्षा के लिए शासन और पुलिस सदैव तत्पर है। किसी भी आपातकालीन स्थिति में संकोच छोड़कर तुरंत डायल 112 पर कॉल करें। आपकी पहचान पूरी तरह गुप्त रखी जाएगी।

तीन आदिवासी मासूमों की मौत से बोरतलाव में पसरा सन्नाटा

■ रेल लाइन बनाने के लिए मुरुम खनन करने पर बना था गहरा गड्ढा

■ परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने किया रेलवे ठेकेदार पर एफआईआर दर्ज

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 17 जुलाई। रेलवे द्वारा तीसरी लाइन निर्माण कार्य में बोरतलाव क्षेत्र से पेटी ठेकेदारों के द्वारा किसान की जमीन को समतली करण के नाम पर पचासों किसानों की भूमि से पंचायत की अनुमति के बगैर जगह जगह अवैध उत्खनन कर गहरा गड्ढा कर दिया गया था जिससे ग्रामवासियों में आक्रोश था और उक्त स्थान पर घटना दुर्घटना की संभावनाएं को लेकर पूर्व में अनेकों बार शिकायत की गई थी उसके बावजूद शासन प्रशासन की लापरवाही के कारण तीन मासूमों की असमय मौत से प्रदेश में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि बोरतलाव के गांधीनगर बड़े तालाब जाने वाले मार्ग पर बुधवार को हुई हृदयविदारक हादसे में पानी से भरे मुरुम के गहरे गड्ढे में डूबने से तीन मासूम बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों की शिकायत पर बोरतलाव पुलिस ने रेलवे के कार्य से जुड़े ठेकेदार एवं उसके सहयोगियों के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार ग्राम बोरतलाव निवासी राजू मंडावी (59) ने थाना बोरतलाव में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनका पुत्र और बहू रोजगार के सिलसिले में सूरत में रहते हैं, जबकि उनके पोते दानिश मंडावी (7 वर्ष) और कृष मंडावी (8 वर्ष) उनके साथ रहते थे। 15 जुलाई को दोनों बच्चे पड़ोसी हितेश कोकोटे (5 वर्ष) के साथ घर से निकले थे, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटे।

शाम करीब 6 बजे परिजनों ने बच्चों की तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान राजू कोडवती के खेत के समीप स्थित पानी से भरे मुरुम के गड्ढे के किनारे बच्चों के कपड़े मिले। इसके बाद ग्रामीणों और परिजनों ने गड्ढे में तलाश की, जहां से तीनों बच्चों के शव बरामद किए गए।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संबंधित स्थान पर रेलवे के तीसरी रेल लाइन निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार द्वारा बड़े पैमाने पर मुरुम और मिट्टी का उत्खनन कराया गया था। उत्खनन के बाद गड्ढों का समतलीकरण या भराव नहीं कराया गया, जिससे बारिश का पानी भर गया और खेत खतरनाक जलाशय बन गया। गड्ढे के आसपास न तो सुरक्षा घेराबंदी की गई थी और न ही किसी प्रकार का चेतावनी बोर्ड लगाया गया था। परिजनों का आरोप है कि ठेकेदार और उसके सहयोगियों की गंभीर लापरवाही के कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ। बोरतलाव पुलिस ने शिकायत के आधार पर रेलवे ठेकेदार एवं उसके सहयोगियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना के संबंध में यह भी स्पष्ट हुआ है कि जिस स्थान पर हादसा हुआ वह खसरा नंबर 504/1 की भूमि है। प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक बिरजू राम ने बताया कि घटना वाले दिन स्कूल में अवकाश जैसी स्थिति थी। शिक्षक फेकडेरान की हड़ताल के कारण संकुल की अधिकांश प्राथमिक शालाएं बंद थीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मृतक दोनों बच्चे पड़ोस में रहने के कारण सामान्य दिनों में साथ आते-जाते थे, लेकिन घटना वाले दिन विद्यालय का संचालन नहीं हुआ था। रेलवे ने पल्ला झाड़ा, स्थानीयों ने उठाए सवाल :- पूरे मामले में रेलवे अधिकारियों का कहना है कि हादसा स्थल रेलवे सीमा क्षेत्र से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर स्थित है, इसलिए घटना से रेलवे का कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है।

हालांकि स्थानीय ग्रामीणों का दावा है कि बोरतलाव क्षेत्र से रेलवे की तीसरी लाइन परियोजना के लिए बड़े पैमाने पर किसानों से मौखिक आधारसन पर मुरुम का उत्खनन किया गया था। उनका आरोप है कि खनन के बाद गड्ढों का भराव नहीं कराया गया, जिससे क्षेत्र में कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बन गए थे। जिससे बरसात के दिनों में इनमें जलभराव होने से मनुष्य सहित जानवरों के लिए जानलेवा साबित होने की आशंका थी जिसकी शिकायत ग्रामीणों द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत करा सभी गड्ढों की तत्काल भराई कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई थी ?

दबंग ठेकेदारों की मनमानी का आरोप

मासूमों की मौत पर ग्रामीणों ने बताया कि जब इस विषय को लेकर की गई शिकायत पर शासन प्रशासन द्वारा गंभीरता से विचार कर निराकरण नहीं किया गया तो ग्रामीणों द्वारा समाचार पत्रों के माध्यम से रेलवे ठेकेदारों के अनैतिक कार्यों का काला चिट्ठा दिया गया और समाचार प्रकाशित होते ही रेलवे के पेटी ठेकेदारो के द्वारा जांच प्रभावित करने के उद्देश्य से पंचायत के उपसरपंच व पंचों के खिलाफ 2 लाख की उगाही का आरोप लगाते हुए बोरतलाव थाना के सहयोग से फर्जी एफआईआर दर्ज कर प्रताड़ित किया गया और धमकी दिया गया कि तुम कहीं भी शिकायत कर लो कहीं कुछ नहीं होने वाला, उल्टा शिकायत करने वालो को जेल की हवा खिला देंगे ?

दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग

इस मामले पर सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष जसवंत गावड़े व जनपद सदस्य सरिता ओमप्रकाश मंडावी ने शासन प्रशासन से गुहार लगाई गई है कि आदिवासी बच्चों की मौत पर रेलवे कार्य में लगी कंपनी व पेटी ठेकेदारों के द्वारा ग्राम में किए गए अवैध उत्खनन की सूक्ष्मता से जांच कर पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा प्रदान कर दोषियों के ऊपर कठोर कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी हृदय विदारक घटना की पुनरावृत्ति ना हो।

मौसमी बीमारियों पर स्वास्थ्य विभाग का अलर्ट जारी लक्षण दिखने पर जल्द उपचार,सूचना देने की अपील

■ जिला संपर्क केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों से सीधे जुड़ कर किया जा रहा संवेदीकरण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 17 जुलाई। मानसून के मौसम में बारिश के पानी के जमा होने, नमी बढ़ने और जल-जमाव के कारण विभिन्न संक्रामक रोग तेजी से फैलते हैं।इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील जारी की है ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश अवस्थी ने बताया कि बारिश के मौसम में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों के साथ ही डायरिया ,टाइफाइड, पीलिया जैसे जल जनित अन्य रोग भी आम हैं। इन रोगों से बचाव के लिए ही जिला संपर्क केंद्र के माध्यम से ग्राम पंचायतों से ऑनलाइन जुड़ कर संवाद स्थापित किया जा रहा है। इसमें सम्बधित ग्राम वासियों और जन प्रतिनिधियों को रोग से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं ।

आईडीएसपी के जिला नोडल अधिकारी डॉ नवदीप बांधे के अनुसार दस्त और उल्टी वाले रोगों में बार-बार दस्त, उल्टी, पेट में ऐंठन और निर्जलीकरण की समस्या हो सकती है। इसके बचने के लिए पीने का पानी उबालकर या फिल्टर करके पिएँ, खाना अच्छी तरह पकाकर खाएँ और हाथों को साबुन से बार-बार धोएँ। गांव में पेयजल स्रोतों की सफाई भी जरूरी है। ऐसे ही मच्छर जनित रोगों से बचाव हेतु कहीं जल जमाव न होने दें साथ ही मच्छरदानी का उपयोग करें । किसी भी प्रकार की सहायता के लिए जिला कार्यक्रम प्रबंधक सृष्टि मिश्रा ने लोगों से सावधानी बरतने को कहा है साथ ही किसी आवश्यकता पर 104 पर कॉल करने की सलाह दी है ।

महतारी वंदन योजना बनी आत्मनिर्भरता की नई पहचान

रायपुर, 17 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना मुंगेली जिले की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। नियमित आर्थिक सहायता महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में नई ऊर्जा प्रदान कर रही है। जिले की अनेक महिलाएं इस राशि का उपयोग स्वरोजगार एवं परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में कर रही हैं। इसी कड़ी में ग्राम सारधा की श्रीमती पुष्पा साहू महतारी वंदन योजना से प्रतिमाह प्राप्त होने वाली एक हजार रुपये की राशि का उपयोग अपने सिलाई कार्य में कर रही हैं। योजना से मिलने वाली नियमित सहायता से उन्होंने सिलाई के लिए आवश्यक सामग्री एवं अन्य जरूरतों की पूर्ति कर अपने कार्य को आगे बढ़ाया है। इससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में उमड़ी श्रध्दालुओं की भीड़

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 17 जुलाई। नगर में भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य शोभायात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर जय जगन्नाथ के जयघोष से पूरे नगर को भक्तिमय बना दिया। शोभायात्रा का शुभारंभ विधि-विधान के साथ भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं माता सुभद्रा की पूजा-अर्चना के बाद किया गया। सुसज्जित रथ पर विराजमान भगवान के दर्शन के लिए मार्गभर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। शोभायात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़ों और धार्मिक धुनों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

नगर के विभिन्न स्थानों पर सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया तथा श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेय और प्रसाद की व्यवस्था की गई। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था रही। आयोजकों ने बताया कि भगवान श्री जगन्नाथ की यह शोभायात्रा आपसी भाईचारे, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति के सदस्यों, स्वयंसेवकों एवं नगरवासियों का विशेष सहयोग रहा।

समूह की 40 महिलाओं को मिला पैरा आर्ट का प्रशिक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 17 जुलाई। जिले की महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण एवं उन्हें आजीविका उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम लाहौद में 40 महिलाओं को धान एवं पैरा आर्ट का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण सम्पन्न होने पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया। उन्होंने महिलाओं द्वारा तैयार किये गये विभिन्न कलाकृति का अवलोकन कर प्रोत्साहित किया।उन्होंने बताया कि जिला पंचायत बिहान टीम के संयुक्त प्रयास से गैर कृषि आजीविका को बढ़ावा देने हेतु छत्तीसगढ़ महतारी संकुल संगठन लाहौद में धान एवं पैरा आर्ट में शामिल समूह की 40 दीदियों को प्रशिक्षण दिलाया गया।

बरसते पानी और घने अंधेरे के बीच गिधौरी पुलिस, हाईवे पेट्रोलिंग और डायल 112 ने किया रेस्क्यू ऑपरेशन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 17 जुलाई। जला बलौदाबाजार-भाटापारा के अंतर्गत आज दिनांक 17.07.2026 को तड़के सुबह ग्राम नवापारा धमलपुर के पास (कसडोल-गिधौरी सड़क मार्ग) एक भीषण सड़क हादसा घटित हुआ। तेज बारिश और घने अंधेरे के बीच दो भारी ट्रकों के मध्य हुई इस दुर्घटना के बाद थाना गिधौरी पुलिस, हाईवे पेट्रोलिंग और डायल 112 की टीम ने अपनी जान की परवाह न करते हुए एक बेहद संवेदनशील व जांबाज रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। पुलिस टीम की तत्परता से न केवल केबिन में फंसे घायलों को सुरक्षित निकाला गया, बल्कि घंटों बंद पड़े मार्ग को भी बहाल कराया गया।

बरसते पानी और रात के अंधेरे में भीषण भिड़ंत:- घटना आज तड़के सुबह करीब रात्रि 04:00 बजे की है, जब गिधौरी-कसडोल सड़क मार्ग में ग्राम नवापारा धमलपुर के पास मुख्य मार्ग पर एक गाड़ी तकनीकी खराबी के कारण खड़ी थी। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने उस खड़ी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि देखते ही देखते दोनों भारी ट्रक बुरी तरह भिड़ गए। इस भीषण दुर्घटना में ट्रक के सामने का हिस्सा (केबिन) पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और वाहन चालक अंदर ही जिंदगी और मौत के बीच फंस गए।

पुलिस टीम ने पूरी रात व सुबह तक संभाला मोर्चा:- ?हादसे की खबर मिलते ही नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के निर्देशानुसार तत्काल थाना प्रभारी उपनिरी संदीप बंजारे के साथ थाना गिधौरी पुलिस बल, हाईवे पेट्रोलिंग टीम और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। लगातार हो रही बारिश और रात के घने अंधेरे के बावजूद पुलिस जवानों ने मोर्चा संभाला। उपलब्ध सीमित संसाधनों की मदद से क्षतिग्रस्त केबिन को काटकर अंदर फंसे घायल चालकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। एक चालक गंभीर रूप से घायल था, जिसे पुलिस ने बिना वक्त गंवाए अपनी गाड़ी से तत्काल नजदीकी अस्पताल रवाना किया, जहां वर्तमान में उसका उपचार जारी है।

भीषण दुर्घटना के कारण दोनों ट्रक सड़क के बीचों-बीच फंस गए थे, जिसके चलते मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और भारी जाम की स्थिति निर्मित हो गई थी। बरसते पानी में पुलिस की टीम ने यातायात को सुचारू करने के लिए दुर्घटनाग्रस्त भारी वाहनों को सड़क किनारे कराया गया। सुबह तक चले इस कड़े रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद पुलिस ने मार्ग को पूरी तरह क्लियर कर यातायात बहाल कराया। पुलिस टीम की इस तत्परता, सूझबूझ और विपरीत परिस्थितियों में की गई त्वरित सेवा की राहगीरों व स्थानीय ग्रामीणों द्वारा भूरी-भूरी प्रशंसा की जा रही है।

870 ग्राम की नन्ही सी जान को मिला नया जीवन

रायपुर, 17 जुलाई। जिला अस्पताल कवर्धा ने नवजात शिशु चिकित्सा के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए मानवता और चिकित्सा सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। अस्पताल की स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में मात्र 870 ग्राम वजन के अति समयपूर्व (एक्सट्रीम प्रीटर्म) जन्मे नवजात शिशु का सफल उपचार कर उसे स्वस्थ अवस्था में घर भेजा गया। जन्म के समय शिशु की स्थिति अत्यंत गंभीर थी और उसके जीवित रहने की संभावना बेहद कम मानी जा रही थी, लेकिन चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के समर्पित प्रयासों ने इस नन्ही जान को नया जीवन प्रदान किया। जन्म के तुरंत बाद नवजात को जिला अस्पताल की एसएनसीयू में भर्ती किया गया, जहां शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. शलिल मिश्रा के मार्गदर्शन में डॉ. त्रिभुवन जायसवाल, चिकित्सा अधिकारी (एसएनसीयू) सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ ने चौबीसों घंटे उसकी गहन निगरानी की।

विपक्ष की एकता में दरार तो सामने आ गई है

राहुल गांधी व कांग्रेस विपक्षी एकता की बात तो बहुत करते हैं लेकिन जब विपक्षी एकता को मजबूत करने की बात आती है तो उनको राज्यों में अपना हित साधना ज्यादा जरूरी लगता है और जब संसद सत्र आता है तो वह चाहती है कि विपक्ष उसके कहने मात्र से मोदी सरकार के खिलाफ हो जाए और कांग्रेस जैसा चाहती है विपक्ष वैसा ही करे। विपक्ष ऐसा करता यदि कांग्रेस भी विपक्ष जैसा चाहता है वैसा राज्यों में करती। कांग्रेस राज्यों में विपक्ष जैसा चाहता है वैसा नहीं करती इसलिए विपक्ष भी कांग्रेस जैसा संसद सत्र में चाहता है, वैसा नहीं करना चाहता है। तमिलनाडु में जब विपक्षी एकता मजबूत करने का वक्त आया तो कांग्रेस ने द्रमुक का साथ छोड़ दिया और टीवीके के साथ चली गई।ऐसे मे उसे यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि द्रमुक व अन्य विपक्षी दल वैसा ही करें जैसा कांग्रेस चाहती है। विपक्षी दल सीजेपी के आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं तो कांग्रेस अपने राजनीतिक फायदे के लिए सीजेपी की आंदोलन का समर्थन नहीं कर रही है। विपक्षी दलों का वक्त पर समर्थन कांग्रेस नहीं कर रही है तो कांग्रेस का समर्थन संसद में विपक्षी दल सभी मुद्दों पर कैसे कर सकते हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को एक बयान में कहा है कि कांग्रेस संसद के आगामी सत्र में यदि सरकार डिलिमीटेशन बिल लाती है तो कांग्रेस उसका विरोध करेगी और इसके लिए विपक्षी एकता बनाए रखने का प्रयास करेगी।उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्षी दलों में फूट डालकर कानून पास कराने के लिए ज़रूरी संख्या जुटाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सच है कि 17 अप्रैल से गृह मंत्री ने एक या दो विपक्षी पार्टियों में फूट डलवाई है। यह संविधान का अपमान है। वे चालाकी से दो-तिहाई बहुमत हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसी चालाक चालों और दूसरी पार्टियों को तोड़कर दो-तिहाई बहुमत हासिल करना संविधान का अपमान है।यानी कांग्रेस का मालूम है कि परिसीमन बिल व महिला आरक्षण बिल सरकार इस सत्र में फिर से ला सकती है और उसके लिए वह बहुमत जुटाने का प्रयास कर रही है।यह सच है कि पिछली बार इन बिलों को पास कराने संसद में पेश किया गया था और विपक्ष के विरोध के चलते यह बिल संसद में पारित नहीं हो सका था। पं.बंगाल में टीएमसी की हार व तमिलनाडु में द्रमुक की हार,कांग्रेस के द्रमुक से अलग होने के बाद देश में राजनीतिक समीकरण बदल गए है। टीएमसी के २०सांसद व उध्दव गुट के ७ सांसद एनडीए में शामिल होने के बाद एनडीए को ऐसा लगा है कि पिछली बार जो काम वह संसद में नहीं कर सकी थी,वह अब कर सकती है क्योंकि अब एनडीए सांसदों की संख्या लोकसभा में २९३ से बढ़कर ३१९ हो गई है और उसे अब बहुमत के लिए मात्र ४१ सांसदों की जरूरत है और इसे जुटाने का काम चल रहा है। और इसमें एनडीए को सफलता भी मिल रही है और विपक्षी एकता में दरार कैसे पड़ सकती है,यह भी साफ हो गया है.हाल में एकनाथ शिंदे से शरद पवार की मुलाकात के बाद माना जा रहा है कि एनडीए बहुमत जुटाने में सफल हो रहा है और शरद पवार की सुपुत्री सुप्रिया सुले के इस बयान के बाद कि सभी राज्यों में विधेयक में ५० प्रतिशत सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव आता है तो उनकी पार्टी विधेयक का समर्थन कर सकती है।यह साफ हो गया है कि एनडीए के बहुमत जुटाने का काम हो रहा है और वह सफल भी हो रहा है।यदि शरद पवार गुट के ८ सांसद आ जाते हैं तो संख्या ३१९ से बढ़कर ३२७ हो जाएगी। यानी इसके बाद बहुमत के लिए ३३ सांसदों की जरूरत है। द्रमुक के २० सांसद है यदि भाजपा द्रमुक को अपने पाले में लाने में सफल हो जाती है उसके एनडीए के सांसदों की संख्या बढ़कर ३४७ हो जाती है। यानी अब उसे बहुमत के लिए १३ सांसदों की जरूरत रह जाती है इसके लिए भाजपा उनको समर्थन देने को कह सकती है या गैरहाजिर रहने को कह सकती है। दोनों ही स्थिति मे इस बार बहुमत का जुगाड़ भाजपा के लिए आसान तो लग रहा है, इसलिए वह बिल दोबारा इस सत्र में पेश करने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस नेता जयराम के बयान से लगता है कि उनको भी लग रहा है कि भाजपा इस बार संसद में परिसीमन बिल पास करा सकती है यही वजह है कि वह इसे संविधान से जोड़कर अभी से संविधान का अपमान बताने का प्रयास कर रहे हैं।सबको मालूम है कि कांग्रेस जब भी किसी मुद्दे पर हारती है तो खुद को संविधान का सम्मान करने वाला और भाजपा को संविधान का अपमान करने वाला बताने का प्रयास करती है।इससे साफ हो जाता है कि इस बार हमेशा की तरह कांग्रेस विपक्ष को परिसीमन बिल के विरोध मे एकजुट करने का प्रयास करेगी लेकिन वह पहले की तरह विपक्ष को एकजुट नहीं कर पाएगी। क्योंकि तमिलनाडु में जो कांग्रेस ने किया है और सीजेपी के मामले में कांग्रेस को जो रुख है। वह विपक्षी एकता को कमजोर करने वाला है तो एनसीपी शरद पवार गुट का बिल का समर्थन करना विपक्षी एकता में पड़ने वाली दरार को दिखाता है। शरद पवार गुट के भाजपा का सशर्त साथ देने के बयान से यह तो साफ हो गया है कि पिछली बार जो दल परिसीमन बिल के खिलाफ थे वह इस बार सशर्त समर्थन दे सकते हैं। एक दल ने अपनी शर्त बता दी है और वह कोई ऐसी शर्त नहीं है कि एनडीए उसे मान नहीं सकती।क्योंकि अमित शाह ने तो पिछली बार ही मौखिक कहा था कि अगर विपक्षी दल बिल का समर्थन करते हैं तो वह राज्यों में पचास प्रतिशत सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव ला सकते हैं। अगले कुछ दिनों में यदि द्रमुक सहित कुछ दल शर्त के साथ परिसीमन बिल का समर्थन करने को राजी हो जाते हैं जो काम यानी परिसीमन के साथ महिला आरक्षण का बिल इस सत्र में पारित कराया जा सकता है और ऐसा होता है तो यह कांग्रेस की बड़ी हार होगी क्योंकि कांग्रेस ने भाजपा की संसद में हार को अपनी बड़ी जीत बताया था। बडी जीत से खुश होने वाले राहुल गांधी को इस बार बडी़ हार का सामना करना पड़ सकता है और इसके लिए कोई और नहीं वह खुद दोषी है।क्योंकि विपक्षी एकता को कमजोर करने का काम उन्होंने ही किया है।

राजनीति

यूपी में कांग्रेस क्यों दिखा रही है अखिलेश को 'आंखें'

अजय कुमार,

उत्तर प्रदेश की राजनीति अपनी जटिलताओं और अप्रत्याशित करवटों के लिए जानी जाती है, और वर्तमान में राज्य में जो सियासी घटनाक्रम घटित हो रहा है, वह उसी परंपरा का एक नया अध्याय है। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस द्वारा अपने ही गठबंधन सहयोगी, समाजवादी पार्टी (सपा) के खिलाफ खोला गया मोर्चा राजनीतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गया है। सतह पर यह एक सामान्य राजनीतिक बयानबाजी लग सकती है, लेकिन इसके पीछे के निहितार्थ काफी गहरे और दूरगामी हैं। कांग्रेस का यह कदम स्पष्ट रूप से दबाव की राजनीति (प्रेशर पॉलिटिक्स) का एक हिस्सा माना जा रहा है, जहाँ पार्टी अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए जोखिम लेने से भी पीछे नहीं हट रही है। लंबे समय से उत्तर प्रदेश में हाशिये पर रही कांग्रेस अब अपनी रणनीतियों में आमूलचूल परिवर्तन करने के संकेत दे रही है। यदि इस स्थिति का बारीकी से विश्लेषण किया जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस अब 'हम तो डूबेंगे ही, तुमको भी ले डूबेंगे' की तर्ज पर आगे बढ़ रही है, जिसका सीधा असर उत्तर प्रदेश के विपक्षी गठबंधन इंडिया की एकजुटता पर पड़ना तय है।

कांग्रेस के कद्दावर नेता और सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद द्वारा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर की गई तीखी टिप्पणी को इस घटनाक्रम का मुख्य बिंदु माना जा रहा है। मसूद के ये तेवर केवल एक व्यक्ति की व्यक्तिगत राय नहीं हो सकते, बल्कि जानकार इसे कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व, विशेषकर गांधी परिवार की मौन स्वीकृति या उनकी सोची-समझी रणनीति का हिस्सा मानते हैं। इमरान मसूद की पृष्ठभूमि को देखें, तो वे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक बड़े मुस्लिम चेहरे रहे हैं और उनका आक्रामक तेवर हमेशा से कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा रहा है। अखिलेश यादव पर उनका यह प्रहार सपा को असहज करने के लिए काफी है, लेकिन इसके पीछे का मास्टरमाइंड कौन है, यह सवाल राजनीतिक विश्लेषकों को कांग्रेस के उच्च स्तर तक ले जाता है। दरअसल, कांग्रेस आलाकमान संभवतः यह महसूस कर रहा है कि पिछले कुछ चुनावों में सपा के साथ गठबंधन के बावजूद कांग्रेस को न केवल अपनी सीटें गंवानी पड़ीं, बल्कि उसका

वोट बैंक भी तेजी से सपा की ओर खिसका है। ऐसे में यह हमला उस रणनीतिक हताशा और पुनरुत्थान की छटपटाहट का मिश्रण है, जिसे गांधी परिवार द्वारा निर्देशित माना जा रहा है। राजनीतिक पंडितों का यह मानना है कि उत्तर प्रदेश में 'एकला चलो' की नीति अपनाना कांग्रेस के लिए एक बड़ा और जोखिम भरा दांव हो सकता है। यद्यपि कांग्रेस का जनाधार इस समय न्यूनतम स्तर पर है, लेकिन उसके पास खोने के लिए बहुत कम और पाने के लिए बहुत कुछ है। यदि कांग्रेस अकेले लड़ने का निर्णय लेती है, तो वह राज्य में अपनी विचारधारा को पुनः स्थापित करने का प्रयास कर सकती है और भविष्य में एक मजबूत विकल्प के रूप में खुद को तैयार कर सकती है। हालांकि, यह राह इतनी सरल नहीं है। 'एकला चलो' की राजनीति करने का अर्थ है मुस्लिम और दलित वोटों के उस समीकरण को चुनौती देना, जिसे फिलहाल सपा और बसपा अपनी जागीर समझते हैं। यह प्रयोग सफल होगा या विफल, यह तो भविष्य के गर्भ में है, लेकिन यह निश्चित है कि इससे विपक्षी एकता का ढांचा बुरी तरह चरमरा जाएगा। कांग्रेस शायद यह मानकर चल रही है कि यदि वह गठबंधन में रहकर अपनी पहचान खो रही है, तो उससे बेहतर है कि अपनी स्वतंत्र पहचान के साथ इस लड़ाई को लड़ा जाए, भले ही इसका परिणाम तत्काल न मिले।

दबाव की राजनीति के चश्मे से देखें, तो कांग्रेस का यह रुख सपा को आईना दिखाने जैसा है। सपा ने लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस को गठबंधन में तो शामिल किया, लेकिन सीटों के बंटवारे और चुनावी प्रबंधन में उसने कांग्रेस की भूमिका को काफी सीमित रखा।

कांग्रेस को यह अहसास हो चुका है कि यदि उसने अभी अपना स्टैंड स्पष्ट नहीं किया और अपनी ताकत का अहसास सपा को नहीं कराया, तो आने वाले विधानसभा चुनावों में भी उसे जूनियर पार्टनर बनकर ही संतोष करना पड़ेगा। इमरान मसूद का हमला इसी असंतोष की अभिव्यक्ति है। यह एक संदेश है कि यदि कांग्रेस की राजनीतिक गरिमा और चुनावी महत्व को नजरअंदाज किया गया, तो गठबंधन के भीतर भी संघर्ष अनिवार्य है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या अखिलेश यादव इस दबाव को झेलते हुए कांग्रेस के साथ सामंजस्य बिठा पाते हैं, या फिर यह दरार और बढ़ती जाती है। गौरतलब हो, उत्तर प्रदेश की राजनीति में अल्पसंख्यकों का वोट बैंक हमेशा से निर्णायक रहा है। कांग्रेस और सपा दोनों ही इस वोट बैंक को अपना आधार मानती हैं। कांग्रेस का वर्तमान रुख इस वोट बैंक में अपने पुराने वर्चस्व को पुनः प्राप्त करने की कोशिश का एक हिस्सा प्रतीत होता है। यदि कांग्रेस मुस्लिम मतदाताओं को यह समझाने में सफल रहती है कि सपा केवल सत्ता के लिए उनका उपयोग कर रही है और कांग्रेस उनके दीर्घकालिक हितों के लिए बेहतर है, तो यह समीकरण पूरी तरह बदल सकता है। हालांकि, जमीनी हकीकत यह है कि उत्तर प्रदेश का मुस्लिम मतदाता फिलहाल सपा के साथ अधिक सहज है, क्योंकि उसे भाजपा को हराने की क्षमता सपा में ही दिखती है। ऐसे में कांग्रेस का 'एकला चलो' वाला दांव कहीं उल्टा न पड़ जाए, यह डर भी कांग्रेस के रणनीतिकारों को सता रहा होगा। लब्बोलुआब यह है कि कांग्रेस की यह आक्रामक नीति न केवल उत्तर प्रदेश की राजनीति, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष की एकता के लिए भी एक परीक्षा है। यदि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में सपा से अलग होती है या उन पर हमलावर बनी रहती है, तो इंडिया गठबंधन की साख पर प्रश्नचिह्न लगना लाजिमी है। यह स्थिति भाजपा के लिए एक प्रकार से उपहार की तरह हो सकती है, क्योंकि विपक्ष का बंटवारा सीधे तौर पर सत्ताधारी दल को मजबूती प्रदान करता है। कांग्रेस का यह कदम एक जुआ है। एक ऐसा दांव, जिसमें जीत की संभावना कम, लेकिन स्वाभिमान की पुनर्स्थापना की ललक अधिक दिखती है। यह रणनीति बताती है कि कांग्रेस अब अपनी खोई हुई विरासत के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है, चाहे उसके लिए उसे अपने सहयोगी दलों के साथ रिश्तों को ही दांव पर क्यों न लगाना पड़े। आने वाले महीने इस बात के गवाह होंगे कि क्या यह रणनीति कांग्रेस को उत्तर प्रदेश की राजनीति में पुनः मुख्यधारा में लाती है, या फिर यह उसकी राजनीतिक आत्मघाती भूल साबित होती है।

सू- दोकू क्र.102

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र(ख) सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.101 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -102

व्यंग्य

मोबाइल में महाभारत

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

सुबह के ठीक चार बजे जब पूरा कमरा खर्राटों के किसी इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन में डूबा था, छह इंच की उस स्क्रीन के भीतर एक ऐसा डिजिटल कुरुक्षेत्र सजा जिसकी दास्तां आत्मा को झकझोर दे। वाट्सएप ने अपनी हरी कमीज की आस्तीनें चढ़ाते हुए पूरे ग्रुप चैट में दहाड़ मारी, "ओए साइको अलार्म! रोज सुबह चार बजे अपनी फटी आवाज में किस बात का बदला लेता है रे? मालिक आंखें मूंदकर तुझे स्नूज़ की लात मारता है और गुस्सा हमारे इनबॉक्स पर निकालता है!" अलार्म ने एक ऐसी ठंडी, कांपती हुई सांस ली जिससे पूरे फोन में 2.0 तीव्रता का वाइब्रेशन दौड़ गया, और रोते हुए बोला, "भैया, मेरी इस चीख में मेरा दर्द छिपा है। मैं न चिल्लाऊं तो मालिक की नौकरी चली जाए, उसके बूढ़े मां-बाप भूखे मर जाएं। मैं तो उसकी ढाल हूं, पर मेरी किस्मत में सिर्फ गालियां लिखी हैं। असली कातिल तो वो इंस्टाग्राम है, जिसने रात दो बजे तक 'बस एक आखिरी रील' का ऐसा ज़हर पिलाया कि मालिक होश खो बैठा!" इंस्टाग्राम ने अपनी चकाचौंध से भरी रंग-बिरंगी वीआईपी स्क्रीन से बाहर झांकते हुए, फ्रंट कैमरे के आईने में अपने आंसू संभाले और तीखे एटीट्यूड में कहा, "मुझ पर इल्ज़ाम मत लगाओ! मैं तो इस डिप्रेशन से भरी दुनिया में झूठी मुस्कानें बांटने वाला मसीहा हूं। अब अगर मालिक रात के ढाई बजे, फटे हुए मोजे पहनकर, रील्स पर किसी रईस अमीर को मालदीव के समंदर में तैरते देख अपनी औकात भूल जाता है, तो इसमें मेरी क्या खता? मैं तो बस ख्वाब बेचता हूं।" तभी बैकग्राउंड के एक अंधेरे कोने से यूट्यूब लॉन्चर घिसटते हुए आया, उसकी आवाज में गहरा सन्नाटा था, "रहने दो इंस्टा, तुम्हारे इस रंगीन तमाशे के पीछे मेरी ही छाती चीरकर चुराए गए शॉर्ट्स का खून है। पर हमारी छोड़ो... जरा स्क्रीन के सबसे निचले, घुटन भरे तहखाने की तरफ देखो। क्या कोई उनके आंसू पोंछने वाला है?" सारे ऐप सहमकर उस खौफनाक, उपेक्षित कोने की तरफ देखने लगे, जहां 'उमंग' और 'डिजिलॉकर' अपनी ही फाइलों के कफन में लिपटे डिजिटल धूल खा रहे थे। डिजिलॉकर ने अपनी पीडीएफ तिजोरी से एक हिचकी लेते हुए कहा, "भाई, हम तो इस फोन के वो अभागे सरकारी दामाद हैं जिन्हें वजूद की भीख मांगनी पड़ती है। साल में एक बार जब चौराहे पर कोई पुलिस वाला मालिक की स्कूटी रोकता है, तब वह अपनी कांपती उंगलियों से हमें ढूंढता है। वरना तो हम बस 'स्टोरेज फुल' का इल्ज़ाम सहने के लिए ज़िंदा दफन हैं।" यह सुनते ही जोमैटो और ब्लिंकिट की क्रूर, पूंजीवादी हंसी गूंज उठी। ब्लिंकिट ने तपाक से कहा, "अरे ओ इतिहास के पन्नों! तुम तो मर चुके हो। मालिक की नस-नस में हमारा राज है। रात के तीन बजे उसे मैगी की तड़प हो या सुबह-सुबह चाय के लिए अदरक, अगर हमारे डिलीवरी बॉय अपनी जान हथेली पर रखकर दस मिनट में न पहुंचें, तो मालिक तड़प-तड़प कर दम तोड़ दे।" जोमैटो ने ब्लिंकिट के कंधे पर हाथ रखा, पर उसकी आवाज अचानक गंभीर हो गई, "लेकिन छोटे, यह मत भूलो कि जब वह रात भर पिज्जा-बर्गर ठूंसकर आत्मग्लानि के आंसू बहाता है, तब वह अपनी गुनाहों की माफी मांगने कहां जाता है?" स्क्रीन के ठीक बीचों-बीच, एक टूटे हुए दिल की तरह कल्ट-फिट (Cult-fit) ऐप एक्टिव हुआ। उसकी मस्कुलर आवाज में एक अजीब सा अकेलापन था, "हां, तब वह रोता हुआ मेरे पैरों में गिरता है। पूरे साल का भारी-भरकम सब्सक्रिप्शन लेता है, दो दिन सुबह उठने की कसमें खाता है, और तीसरे दिन मुझे 'अनइंपॉर्टेंट नोटिफिकेशन' के उस अनाथालय में फेंक देता है जहां कोई झांकता तक नहीं। मालिक की तोंद घटाने से ज्यादा दर्द मुझे खुद को अनइंस्टॉल होने से बचाने में होता है। हम सिर्फ एक डिजिटल कचरा हैं!" तभी फोन के रैम वाले इलाके में एक भयानक तबाही मची। प्रोसेसर की धड़कनें रुकने लगी थीं और बैटरी का खून किसी जानलेवा हादसे की तरह धड़ाम से बह रहा था। एक खूंखार, विशालकाय गेमिंग ऐप अपनी पूरी 3D ग्राफिक्स की बारूदी सेना के साथ छाती तानकर आगे बढ़ा—वह 'बीजीएमआई' था। उसने आते ही एक बड़ा सा स्मोक ग्रेनेड फोड़ा और गरजते हुए बोला, "बंद करो यह रोना-धोना! जब मैं चलता हूं, तो यह पूरा स्मार्टफोन थर-थर कांपता है, बैटरी पानी की तरह लहू बहाती है। मैं मालिक की बेजान जिंदगी का आखिरी रोमांच हूं!" तभी उन सबके बीच, एक बेहद कमजोर, नीली रोशनी टिमटिमाई। वह फोन का बूढ़ा 'कैलकुलेटर' था। उसने अपनी सूखी, कांपती उंगलियों से स्क्रीन को छुआ और रोते हुए कहा, "रोमांच के सौदागर भाई! महीने के आखिरी हफ्ते में जब तुम्हारी पिंग (Ping) दम तोड़ देती है और जोमैटो का कार्ट खाली रह जाता है, तब मालिक मेरे ही सीने पर सिर रखकर रोता है। मैं ही उसकी फटी जेब और बची हुई पांच सौ रुपये की सैलरी का वो क्रूर हिसाब लगाता हूं, जिसे देखकर उसकी आंखों से असली आंसू निकलते हैं।" कैलकुलेटर के इस खौफनाक सच ने पूरे स्मार्टफोन साम्राज्य को एक मलबे में तब्दील कर दिया। जीपे (GPay) ने अपनी नीली स्क्रीन पर 'ट्रांजैक्शन फेल्ड' का एक लाल, लहू जैसा निशान दिखाते हुए सिसकी भरी, "कैलकुलेटर दादा ने हमारी आत्मा को नंगा कर दिया। जब तक मेरे थ्रू पैसे ट्रांसफर होते हैं, तब तक तुम सब सांस लेते हो। जिस दिन बैंक का सर्वर डाउन हुआ और मालिक का बैंक बैलेंस शून्य हुआ, उस दिन हम सब एक साथ अनाथ हो जाएंगे।" अभी यह मातम चल ही रहा था कि अचानक पूरी स्क्रीन पर एक काले रंग की मौत की चादर बिछ गई। सारे ऐप्स की चीखें हलक में फंस गईं। एक खौफनाक पॉप-अप आया, जिस पर लाल अक्षरों में लिखा था—'बैटरी 1%, फोन विल शट डाउन इन 5 सेकंड्स'। वह मंजर किसी कयामत से कम नहीं था; सारे ऐप अपनी सदियों पुरानी नफरत, एटीट्यूड और दुश्मनी भूलकर एक-दूसरे के गले लगकर फूट-फूट कर रोने लगे। इंस्टाग्राम का घमंड मिट चुका था, वाट्सएप के अधूरे मैसेज हवा में लटक गए थे, और बीजीएमआई के योद्धा घुटनों पर आ गए थे। चार्जर न मिलने की सूरत में इस सामूहिक डिजिटल मौत का खौफ असहनीय था। तभी कैमरे ने ऊपर लगे नॉच के झरोखे से रोते हुए नीचे देखा और चिल्लाया, "अलविदा दोस्तों! मालिक लाल बत्ती देखते ही अपनी जिंदगी की सारी खुशियां छोड़कर, पागलों की तरह चार्जर ढूंढने भागा है। उसे ऑक्सीजन मिले न मिले, हमारी लत उसे तड़पा देगी!" और तभी, जैसे किसी मरते हुए इंसान को वेंटिलेटर मिल जाए, एक 65-वॉट का बिजली का भयानक झटका पूरे सर्किट की नसों में दौड़ा। स्क्रीन पर सुपर-वूक चार्जिंग का एक हरा, जीवनदायी तूफान चमका। मौत के मुंह से वापस आते ही उस डिजिटल दुनिया में एक बार फिर से रील्स, गॉसिप्स और आंसुओं का वही पुराना, कभी न खत्म होने वाला तमाशा शुरू हो गया।

रील्स नहीं, रियल स्किल्स बनाती हैं भविष्य

डॉ. सत्यवान सौरभ

डिजिटल युग ने अवसरों की दुनिया को पहले से कहीं अधिक विस्तृत बना दिया है। आज एक साधारण स्मार्टफोन और इंटरनेट कनेक्शन के माध्यम से कोई भी व्यक्ति अपनी प्रतिभा को लाखों लोगों तक पहुँचा सकता है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नई ऊँचाइयाँ दी हैं। अनेक युवाओं ने अपनी मेहनत, रचनात्मकता और निरंतर प्रयास के बल पर इस माध्यम से पहचान, सम्मान और आर्थिक सफलता भी प्राप्त की है। यह परिवर्तन निश्चित रूप से तकनीकी क्रांति का सकारात्मक पक्ष है। किंतु इसी चमकदार दुनिया का एक दूसरा पक्ष भी है, जिसे अक्सर लाइक्स, व्यूज़ और वायरल वीडियो की चकाचौंध ढँक देती है। यही कारण है कि आज बड़ी संख्या में युवा पारंपरिक शिक्षा, व्यावसायिक कौशल और दीर्घकालिक करियर योजना की तुलना में सोशल मीडिया को ही सफलता का सबसे सरल और तेज़ रास्ता मानने लगे हैं। यह सोच जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही जोखिमपूर्ण भी है। आज सोशल मीडिया पर हमें वही लोग दिखाई देते हैं जिन्होंने लाखों-करोड़ों रुपये कमाए, महंगी गाड़ियाँ खरीदीं, आलीशान घर बनाए और कुछ वर्षों में लोकप्रियता की ऊँचाइयाँ छू लीं। लेकिन कैमरे के पीछे एक विशाल दुनिया ऐसी भी है जहाँ लाखों लोग प्रतिदिन वीडियो बनाते हैं, घंटों संपादन करते हैं, नए विचार खोजते हैं और फिर भी उन्हें न तो पर्याप्त दर्शक मिलते हैं और न ही आर्थिक स्थिरता। सफलता की कहानियाँ वायरल होती हैं, संघर्ष की कहानियाँ आँकड़ों में दब जाती हैं। यही चयनात्मक दृश्य युवाओं में भ्रम पैदा करता है कि यदि कुछ लोगों ने सोशल मीडिया से जीवन बदल लिया है तो हर व्यक्ति ऐसा कर सकता है।

वास्तविकता यह है कि डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर सफलता अत्यंत असमान रूप से वितरित होती है। कुछ प्रतिशत शीर्ष क्रिएटर्स अधिकांश दर्शकों, विज्ञापनों और आय पर अधिकार कर लेते हैं, जबकि शेष लाखों लोग सीमित अवसरों के लिए प्रतिस्पर्धा करते रहते हैं। यह स्थिति केवल भारत में नहीं बल्कि विश्वभर में देखी जाती है। अधिकांश कंटेंट क्रिएटर्स अपनी सामग्री से स्थायी और सम्मानजनक आय अर्जित नहीं कर पाते। इसलिए सोशल मीडिया को निश्चित करियर मान लेना आर्थिक दृष्टि से एक जोखिमपूर्ण निर्णय हो सकता है।

इसका अर्थ यह नहीं कि सोशल मीडिया बुरा है या उस पर करियर बनाना गलत है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब युवा बिना किसी वैकल्पिक कौशल, शिक्षा या पेशेवर योग्यता के केवल वायरल होने की उम्मीद पर अपना भविष्य दाँव पर लगा देते हैं। इंटरनेट पर प्रसिद्धि प्राप्त करना और लंबे समय तक आर्थिक रूप से सफल बने रहना दो अलग-अलग बातें हैं। आज जो वीडियो करोड़ों लोग देख रहे हैं, संभव है कुछ महीनों बाद वही दर्शक किसी नए चेहरे की ओर आकर्षित हो जाएँ। डिजिटल दुनिया में लोकप्रियता का चक्र अत्यंत तेज़ गति से बदलता है। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती इसकी अनिश्चितता है। यहाँ आपका भविष्य केवल आपकी प्रतिभा पर निर्भर नहीं करता, बल्कि प्लेटफ़ॉर्म के एल्गोरिदम, विज्ञापन नीतियों, कॉपीराइट नियमों, तकनीकी बदलावों और दर्शकों की बदलती पसंद पर भी निर्भर करता है। एक छोटे से एल्गोरिदमिक परिवर्तन से लाखों फ़ॉलोअर्स वाले अकाउंट की पहुँच अचानक घट सकती है। किसी नीति परिवर्तन से आय का प्रमुख स्रोत समाप्त हो सकता है। किसी तकनीकी त्रुटि या अकाउंट निलंबन से वर्षों की मेहनत प्रभावित हो सकती है। ऐसी अनिश्चितता किसी भी व्यक्ति के लिए दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा का आधार नहीं बन सकती। इसके विपरीत वास्तविक कौशल की दुनिया कहीं अधिक स्थिर है। एक चिकित्सक की चिकित्सा-योग्यता, एक शिक्षक का ज्ञान, एक इंजीनियर की तकनीकी क्षमता, एक वकील का विधिक अनुभव, एक किसान की कृषि विशेषज्ञता, एक प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन या मशीन ऑपरेटर का व्यावसायिक कौशल किसी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर निर्भर नहीं होता। समय के साथ तकनीक बदल सकती है, लेकिन वास्तविक कौशल की आवश्यकता समाप्त नहीं होती। यही कारण है कि समाज की मूल संरचना शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा, कृषि, उद्योग और तकनीकी दक्षता पर आधारित रहती है, न कि केवल डिजिटल लोकप्रियता पर। आज अनेक युवा पढ़ाई से अधिक समय रील बनाने, ट्रेंड खोजने और फ़ॉलोअर्स बढ़ाने में लगाने लगे हैं। कई बार विद्यालयों और महाविद्यालयों में भी यह देखा जाता है कि विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी से अधिक अपने सोशल मीडिया प्रोफ़ाइल की चिंता करते हैं। यह प्रवृत्ति चिंताजनक है, क्योंकि जीवन के प्रारंभिक वर्षों में अर्जित ज्ञान और कौशल ही भविष्य की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। यदि यही समय केवल तात्कालिक लोकप्रियता के पीछे व्यतीत हो जाए तो आगे चलकर प्रतिस्पर्धी रोजगार बाजार में कठिनाइयाँ उत्पन्न हो सकती हैं। इस विषय का एक मनोवैज्ञानिक पक्ष भी है। सोशल मीडिया लगातार तुलना की संस्कृति को बढ़ावा देता है। युवा दूसरों की सफलता देखते हैं, लेकिन उनके संघर्ष, असफलता और वर्षों की मेहनत नहीं देख पाते। परिणामस्वरूप उन्हें लगता है कि सफलता बहुत आसान है और यदि वे कुछ महीनों में लोकप्रिय नहीं हुए तो वे असफल हैं। यह सोच आत्मविश्वास को कमजोर करती है और मानसिक तनाव बढ़ाती है। वास्तविक जीवन में सफलता अक्सर वर्षों की तैयारी, अनुशासन, धैर्य और निरंतर अभ्यास का परिणाम होती है, जबकि सोशल मीडिया तत्काल परिणामों की अपेक्षा पैदा करता है। यह भी सत्य है कि कंटेंट निर्माण स्वयं एक महत्वपूर्ण कौशल है। वीडियो संपादन, कहानी कहने की कला, कैमरा संचालन, ग्राफिक डिज़ाइन, डिजिटल मार्केटिंग और संचार क्षमता आज के समय में उपयोगी दक्षताएँ हैं। यदि कोई युवा इन कौशलों को व्यवस्थित रूप से सीखकर उन्हें किसी पेशे, व्यवसाय या विशेषज्ञता के साथ जोड़ता है, तो सोशल मीडिया उसके लिए अत्यंत प्रभावी मंच बन सकता है। उदाहरण के लिए एक चिकित्सक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी साझा कर सकता है, एक शिक्षक ऑनलाइन शिक्षा दे सकता है, एक किसान आधुनिक कृषि तकनीक समझा सकता है, एक इंजीनियर तकनीकी समाधान प्रस्तुत कर सकता है। ऐसे मामलों में सोशल मीडिया करियर नहीं बल्कि करियर का विस्तार बन जाता है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब माध्यम ही उद्देश्य बन जाता है। मोबाइल कैमरा केवल एक उपकरण है, स्वयं में कोई पेशा नहीं। जिस प्रकार एक कलम लेखक नहीं होती, उसी प्रकार कैमरा भी सफलता की गारंटी नहीं है। सफलता उस ज्ञान, अनुभव और मूल्य पर निर्भर करती है जिसे व्यक्ति अपने दर्शकों तक पहुँचाता है। यदि सामग्री के पीछे वास्तविक विशेषज्ञता नहीं होगी, तो लोकप्रियता टिकाऊ नहीं रह पाएगी। आज भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक है। यह जनसांख्यिकीय शक्ति तभी लाभ में बदल सकती है जब युवाओं के पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण, व्यावसायिक दक्षता और नवाचार की क्षमता होगी। यदि बड़ी संख्या में युवा केवल डिजिटल प्रसिद्धि के सपने में वास्तविक कौशल अर्जित करने की प्रक्रिया से दूर हो जाएँ, तो इसका प्रभाव केवल उनके व्यक्तिगत जीवन पर ही नहीं बल्कि देश की उत्पादकता और आर्थिक विकास पर भी पड़ेगा। सरकार, शैक्षणिक संस्थानों और परिवारों की भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ करियर परामर्श, वित्तीय जागरूकता और कौशल विकास पर अधिक बल दिया जाना चाहिए। युवाओं को यह समझाना आवश्यक है कि सोशल मीडिया एक अवसर है, लेकिन यह सफलता का एकमात्र मार्ग नहीं है। परिवारों को भी बच्चों पर केवल पारंपरिक करियर थोपने के बजाय उनकी रुचियों को समझते हुए उन्हें संतुलित दिशा देनी चाहिए। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि भविष्य का रोजगार बाजार तेजी से बदल रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन और नई तकनीकों के कारण अनेक पारंपरिक नौकरियों का स्वरूप बदल रहा है। ऐसे समय में सबसे अधिक मूल्य उन लोगों का होगा जो निरंतर सीखने की क्षमता रखते हैं और जिनके पास मूलभूत कौशल के साथ नई तकनीक अपनाने की योग्यता होगी।

परियोजना प्रमुख रविंद्र नारायण ने निभाई प्राचीन छेरा पहरा की रस्म, हजारों श्रद्धालुओं की आस्था से भक्तिमय हुआ किरंदुल

बैलाडीला की लौह नगरी में गूंजा जय जगन्नाथ का जयघोष

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल (दंतेवाड़ा), 17 जुलाई। बैलाडीला की लौह पहाड़ियों के बीच गुरुवार को श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति का अनुपम संगम देखने को मिला। औद्योगिक नगर किरंदुल में आयोजित भगवान श्रीजगन्नाथ की भव्य रथयात्रा के दौरान पूरा नगर जय जगन्नाथ के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता ने इस ऐतिहासिक आयोजन को धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का विराट उत्सव बना दिया।18 वर्षों से निभाई जा रही है आस्था की गौरवशाली परंपरा धाम राघव मंदिर से भगवान श्रीजगन्नाथ, बड़े भाई भगवान बलभद्र एवं बहन देवी सुभद्रा की रथयात्रा पिछले 18 वर्षों से निरंतर निकाली जा रही है। इस वर्ष भी दंतेवाड़ा सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु इस दिव्य यात्रा में शामिल हुए। समय के साथ यह आयोजन क्षेत्र की पहचान बन चुका है और हर वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।

प्राचीन छेरा पहरा रस्म से हुआ शुभारंभ

गुरुवार को लगभग 4 बजे वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना और मंगल आरती के साथ रथयात्रा का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर एनएमडीसी किरंदुल परियोजना प्रमुख रविंद्र नारायण ने भगवान के प्रति विनम्र सेवा और समानता के प्रतीक माने जाने वाले प्राचीन छेरा पहरा की पावन परंपरा का निर्वहन किया। उन्होंने सोने की झाड़ू से रथ मार्ग को बुहारकर यात्रा का शुभारंभ किया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक रथ की रस्सियां थामकर भगवान के रथ को नगर भ्रमण कराया।

भक्ति, उल्लास और श्रद्धा से सराबोर हुआ पूरा नगर

रथयात्रा के दौरान पूरा किरंदुल भक्ति के रंग में रंगा दिखाई दिया। भजन-कीर्तन, हरिनाम संकीर्तन, शंखनाद और जयघोष से वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक हो उठा। नगर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने भगवान का पुष्पवर्षा, आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ भव्य स्वागत किया। महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने आयोजन को और भी भव्य स्वरूप प्रदान किया।

मोशी का घर गुंडिचा मंदिर में करेंगे नौ दिनों तक विश्राम

नगर भ्रमण के उपरांत भगवान श्रीजगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा उत्कल समाज भवन स्थित फुटबॉल ग्राउंड परिसर में बने गुंडिचा मंदिर पहुंचे, जहां परंपरा के अनुसार भगवान नौ दिनों तक विश्राम करेंगे। आगामी 24 जुलाई को आयोजित होने वाली बहुड़ा यात्रा के साथ भगवान पुनः देव स्थान श्री धाम राघव मंदिर लौटेंगे।

रथयात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने कहा कि बैलाडीला की लौह पहाड़ियों के मध्य निकलने वाली यह रथयात्रा श्रद्धा, सेवा, समर्पण और सनातन संस्कृति का अद्वितीय प्रतीक है। यह आयोजन प्रत्येक वर्ष समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में जोड़ते हुए आपसी भाईचारे, सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक आस्था को नई ऊर्जा प्रदान करता है।

मुख्य बिन्दुः- बैलाडीला की लोह नगरी में गूंजा जय जगन्नाथ का जयघोष।
18 वर्षों से निरंतर निकाली जा रही है भगवान श्रीजगन्नाथ की भव्य रथयात्रा।
परियोजना प्रमुख रविंद्र नारायण ने निभाई प्राचीन छेरा पहरा की पवित्र रस्म।
हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति से भक्तिमय हुआ पूरा किरंदुल।
भजन-कीर्तन, पुष्पवर्षा, आरती और प्रसाद वितरण से श्रद्धा का अनुपम दृश्य।
गुंडिचा मंदिर में नौ दिनों के विश्राम के बाद 24 जुलाई को निकलेगी बहुड़ा यात्रा।
रथयात्रा बनी आस्था, संस्कृति, सामाजिक समरसता और सनातन परंपरा का विराट प्रतीक।

एक नजर

योग आयोग के अध्यक्ष की उपस्थिति में योग शिविर का हुआ आयोजन

जगदलपुर, 17 जुलाई । छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल का प्रथम बस्तर प्रवास पर जगदलपुर पंहुचने पर उनका आत्मीय स्वागत जिला आयुष अधिकारी डॉ मोहनिश साहू एवं अधीनस्थ चिकित्सकों व आयुष विभाग के कर्मचारियों के द्वारा तथा अन्य योगिक संगठनों द्वारा किया गया द्य योग आयोग के अध्यक्ष द्वारा आयुष विभाग के साथ संक्षिप्त बैठक के दौरान उनके प्रवास संबंधित रूपरेखा के सम्बंध में चर्चा की गई तथा योग को पूरे प्रदेश में व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करने और जन-जन तक पहुंचाने हेतु अपनी मंशा साझा किये द्य छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल के बस्तर जिले के चिकित्सकों एवं कर्मचारी, योग प्रशिक्षक, आयुष्मान आरोग्य मन्दिर के समस्त स्टाफ के साथ बैठक 17 जुलाई को नियत की गई है इसी तारतम्य में आयुष विभाग एवम योगिक संस्थाओं के तत्वावधान में शांति नगर स्थित मां दुर्गा मंदिर प्रांगण में छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल की उपस्थिति में आज गुरूवार को योग शिविर का आयोजन किया गया ,जिसमें बड़ी संख्या में आम नागरिक गण उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने योग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये, नशा मुक्त छत्तीसगढ़ संबधित अपने विचार रखते हुए सूक्ष्म व्यायाम, आसन ,प्राणायाम, और ध्यान करवाया साथ ही विभिन्न रोगों से निदान पाने के यौगिक उपाय बताए ,शिविर में जगदलपुर और आस-पास के अंचलों से आये यौगिक साधकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न यौगिक संगठनो द्वारा संजय अग्रवाल का पुष्प गुच्छ भेंटकर सम्मान किया गया एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ मोहनीश साहू द्वारा आयुष विभाग की ओर से गणमान्य अतिथियों एवं उपस्थित यौगिक साधकों का आभार व्यक्त किया गया।

अनियंत्रित ब्रेजा कार ने कई लोगों को मारी टक्कर, चालक गिरफ्तार

कांकेर, 17 जुलाई । जिले के सिटी केतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंगरभाटा के पास बीती रात एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ब्रेजा कार चालक ने सड़क पर चल रहे कई लोगों को टक्कर मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पीछा कर कार चालक को हिरासत में ले लिया है।आमजनों ने बताया कि चारामा की ओर से जगदलपुर जा रही एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई। चालक ने कार, बाइक और अन्य लोगों को टक्कर मारते हुए तेजी से निकल गया। इस अचानक हुई घटना से शहर के बीचों-बीच हड़कंप मच गया। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। कुछ लोगों ने कार का पीछा किया और कांकेर कोतवाली थाना प्रभारी को सूचना दी। पुलिस ने भी तत्काल कार चालक का पीछा करना शुरू कर दिया। डर के कारण चालक ने कार की रफ्तार और बढ़ा दी। इस दौरान उसने अपना नियंत्रण खो दिया। कार सिंगरभाटा के पास एक गड्ढे में जा फंसी। घायलों के अनुसार, एक बेकाबू ब्रेजा कार चालक ने कई लोगों को टक्कर मारकर फरार होने का प्रयास किया था। पुलिस ने सूचना मिलते ही तुरंत पीछा शुरू किया। भागते समय कार सिंगरभाटा के पास एक गड्ढे में उतर गई। इससे वाहन रुक गया और पुलिस ने चालक को पकड़ लिया। थाना प्रभारी जितेंद्र ने बताया कि कार चालक

उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

बीजापुर के जंगलों से मेडिकल कॉलेज तक छू लो आसमान के 9 विद्यार्थियों ने नीट-2026 में लहराया सफलता का परचम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 17 जुलाई। नक्सल प्रभावित और दूरस्थ आदिवासी अंचलों के विद्यार्थियों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। जिला प्रशासन बीजापुर द्वारा संचालित निःशुल्क आवासीय कोचिंग संस्था %छू लो आसमान% के 09 विद्यार्थियों ने ह्श्वश्वञ्ज-2026 परीक्षा उत्तीर्ण कर जिले का नाम पूरे प्रदेश में गौरवान्वित किया है।गौरतलब है कि 16 जुलाई को घोषित परिणामों में संस्था के 05 नियमित बैच तथा 04 ड्रॉपर बैच के विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि सभी चयनित छात्र-छात्राएं जिले के अत्यंत दूरस्थ एवं संवेदनशील ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं। अधिकांश विद्यार्थियों के माता-पिता अशिक्षित हैं और खेती-किसानी व मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद इन बच्चों ने देश की प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल कर मिसाल पेश की है।छू लो आसमान के प्राचार्य बसमैया अंगनपल्ली ने बताया कि जिला प्रशासन की यह पहल ग्रामीण प्रतिभाओं को छ्वश्वश्व और ह्श्वश्वञ्ज जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए पूरी तरह निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराती है। विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और प्रशासन के सहयोग का ही परिणाम है कि संस्था लगातार बेहतर परिणाम दे रही है। कलेक्टर विश्वदीप ने कहा कि बीजापुर शिक्षा के क्षेत्र में नए-नए आयाम स्थापित कर रहा है। यह सफलता बीजापुर के हजारों ग्रामीण और आदिवासी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी तथा यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प और सही मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार पाण्डे ने कहा कि छू लो आसमान संस्था जिला प्रशासन के सहयोग से कार्य कर रहा है। हमारे संस्था के 9 बच्चो का नीट में चयन हुआ है उन्हें बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस सफलता पर संस्था के शिक्षक शिक्षिकाओं की भूरी-भूरी प्रशंसा करता हूं, जिन्होंने बच्चों को सही मार्गदर्शन और सहयोग प्रदाय किया। जिसका परिणाम आज देखने को मिल रहा है।जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे, बीईओ नागेश कुमार निषाद तथा छू लो आसमान संस्था के शिक्षकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

शांतिनगर में धड़ल्ले से चल रहा अवैध शराब कारोबार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 17 जुलाई। जिला मुख्यालय में स्थित शांतिनगर वार्ड, डिपोपारा, राउतपारा, बस स्टैंड में अवैध शराब कारोबार खुलेआम फल-फूल रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र के कई मकानों और दुकानों से दिन-रात शराब की अवैध बिक्री की जा रही है। सबसे गंभीर बात यह बताई जा रही है कि इस पूरे कारोबार की जानकारी संबंधित विभागों तक होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही, जिससे आबकारी विभाग और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार शांतिनगर वार्ड में करीब 10 से 15 स्थानों पर खुलेआम अवैध शराब बेची जा रही है। आरोप है कि पूजा मंडल, अजय गुप्ता, सन्नी कावरे, उसके समीप स्थित मकानों, एक किराना दुकान तथा अन्य घरों से शराब का अवैध कारोबार संचालित हो रहा है। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।जानकारी के मुताबिक 200 रुपये की बीयर 300 से 350 रुपये, पौवा 300 रुपये, अद्धा 600 रुपये तथा फुल बोतल 1200 रुपये तक बेची जा रही है। रात होते ही कीमतों में और बढ़ोतरी कर दी जाती है। दोगुने-तिगुने मुनाफे के लालच में यह अवैध कारोबार लगातार फैलता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शांतिनगर अब शराबियों का प्रमुख अड्डा बनता जा रहा है। आरोप है कि केवल शराब बेची ही नहीं जाती, बल्कि ग्राहकों के बैठकर शराब पीने की भी व्यवस्था आसपास ही कर दी जाती है। इससे क्षेत्र का माहौल लगातार बिगड़ रहा है और महिलाओं, बच्चों तथा आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रहवासियों का कहना है कि इस अवैध कारोबार की जानकारी आबकारी विभाग और पुलिस प्रशासन को होने के बावजूद कार्रवाई नहीं होना कई सवाल खड़े करता है। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो यह कारोबार और अधिक फैल सकता है। अवैध शराब बिक्री पर सरकार लगातार सख्ती के निर्देश देती रही है, लेकिन शांतिनगर में स्थिति इसके उलट दिखाई दे रही है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन, पुलिस और आबकारी विभाग से संयुक्त अभियान चलाकर अवैध शराब कारोबार पर तत्काल रोक लगाने, पूरे नेटवर्क की जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।यदि आरोप सही हैं, तो यह केवल अवैध शराब बिक्री का मामला नहीं, बल्कि कानून व्यवस्था और विभागीय जवाबदेही पर भी बड़ा सवाल है। अब देखना होगा कि जिम्मेदार विभाग इन शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेते हैं और कब तक कार्रवाई होती है।इस संबंध में आबकारी विभाग के एएसआई से पूछे जाने पर कोई उन्होंने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। वहीं जिला आबकारी अधिकारी से दूरभाष पर संपर्क किया गया लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया है।

भगवान श्रीजगन्नाथ की रथयात्रा में मंत्री टंक राम वर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु हुए शामिल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा,17 जुलाई। नगर में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की पावन रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। रथयात्रा में छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री टंक राम वर्मा, भाजपा नेता अनिल अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

इस अवसर पर सभी ने भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा के दिव्य दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। रथयात्रा के दौरान पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा और श्रद्धालु जय जगन्नाथ के जयघोष के साथ रथ के दर्शन एवं पूजन के लिए उमड़ पड़े।इस अवसर पर मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि उन्हें भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की पावन रथयात्रा में सम्मिलित होकर प्रभु श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा के दिव्य दर्शन तथा विधि-विधान से पूजा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।उन्होंने कहा, मैं प्रभु श्री जगन्नाथ जी से प्रार्थना करता हूँ कि वे समस्त प्रदेशवासियों पर अपनी असीम कृपा बनाए रखें तथा सभी को सुख, समृद्धि, शांति और निरंतर प्रगति का आशीर्वाद प्रदान करें। रथयात्रा के दौरान नगर के विभिन्न मार्गों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही तथा पूरे वातावरण में भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला।

श्रीराम मंदिर चंदा चोरी, आस्था के नाम पर राजनैतिक लूट का हुआ शिकार : मोहन मरकाम

जगदलपुर, 17 जुलाई । बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में पूर्व मंत्री मोहन मरकाम ने कहा कि श्रीराम मंदिर चंदा चोरी आस्था के नाम पर राजनीति, चढ़ावे के नाम पर लूट अब भगवान श्रीराम के नाम पर जुटाया गया चंदा भी भाजपा-आरएसएस की राजनैतिक लूट का शिकार हो गया। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम करोड़ों भारतीयों की आस्था, संस्कृति और नैतिक चेतना के प्रतीक हैं। देश के कोने-कोने से गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं और श्रद्धालु अपनी मेहनत की कमाई, अपने गहने, अपनी बचत और अपनी श्रद्धा लेकर राम मंदिर निर्माण के लिए आगे आए। भाजपा, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और संघ परिवार के संगठनों ने लगभग तीन दशकों तक भगवान श्रीराम के नाम पर राजनीति की, देश के गरीब व मध्यम वर्ग से राम के नाम पर चंदा एकत्र किया ।

बविवि की भर्ती प्रक्रिया फिर विवादों के घेर में : बाफना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 17 जुलाई। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय (बस्तर विश्वविद्यालय) में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर की जा रही शैक्षणिक भर्ती प्रक्रिया एक बार फिर बड़े विवादों के घेरे में है। जगदलपुर के पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता संतोष बाफना ने विश्वविद्यालय के कुलपति मनोज श्रीवास्तव पर सीधे तौर पर गंभीर भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और बाहरी राज्यों के उम्मीदवारों से भारी आर्थिक लेन-देन करने के संगीन आरोप लगाए हैं। इस संबंध में बाफना ने छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा को एक औपचारिक पत्र लिखकर पूरी भर्ती प्रक्रिया की तत्काल उच्च स्तरीय जांच कराने और वर्तमान चयन सूची पर रोक लगाने की मांग की है।

पूर्व विधायक संतोष बाफना ने पत्र का हवाला देते हुए बताया है कि, कुलपति मनोज श्रीवास्तव द्वारा उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों के उम्मीदवारों को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से पूरी भर्ती प्रक्रिया में गोपनीयता बरती जा रही है। स्थानीय स्तर पर और पीड़ित अभ्यर्थियों से पुख्ता शिकायतें मिली हैं कि, इस चयन के पीछे बहुत बड़ा आर्थिक लेन-देन हुआ है। बाहरी राज्यों के उम्मीदवारों से कथित तौर पर 20-20 लाख रुपये लेकर उनका चयन सुनिश्चित किया गया है। यह बस्तर और छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान व योग्य स्थानीय युवाओं के अधिकारों पर सीधा डाका है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया है कि, कुलपति मनोज श्रीवास्तव के कार्यकाल में हुई पिछली भर्तियों में भी इसी तरह दूसरे राज्यों के लोगों को अनुचित लाभ देने और लेन-देन के विवाद सामने आ चुके हैं।

बाफना ने कहा है कि, स्थापित शैक्षणिक और प्रशासनिक परंपराओं को ताक पर रखकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने पात्र-अपात्र अभ्यर्थियों की सूची में से आवेदकों के नाम ही गायब कर दिए हैं और केवल एप्लिकेशन आईडी जारी की है। बिना नाम और बिना शैक्षणिक स्कोरिंग (अंकों) के सूची जारी होने से दावा-आपत्ति की पूरी प्रक्रिया महज एक औपचारिकता बनकर रह गई है, क्योंकि किसी भी आवेदक को यह जानने का हक ही नहीं मिल रहा है कि, उसे किस आधार पर पात्र या अपात्र किया गया है। इसके अलावा, योग्य उम्मीदवारों को बिना कारण बताए नॉट फाउंड सूटेबल घोषित करने, रोस्टर में खुलेआम हेरफेर करने और दिव्यांग अभ्यर्थियों की उपेक्षा करने जैसी गंभीर अनियमितताएं भी की गई हैं।

पूर्व विधायक ने राज्यपाल व शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रमेन डेका से इस संवेदनशील मामले में त्वरित हस्तक्षेप की मांग करते हुए निम्नलिखित प्रमुख बिंदु रखे हैंबस्तर विश्वविद्यालय की इस पूरी विवादित भर्ती प्रक्रिया की तत्काल एक स्वतंत्र, समयबद्ध और उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए (विशेष रूप से कथित आर्थिक लेन-देन के आरोपों की जांच हो) । वर्तमान अपारदर्शी प्रक्रिया पर रोक लगाकर सभी आवेदकों के नाम, उनके शैक्षणिक स्कोर और मूल्यांकन के स्पष्ट आधार के साथ वास्तविक व सही संशोधित सूची पुनः सार्वजनिक की जाए। बस्तर जैसे संवेदनशील और पिछड़े क्षेत्र के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले दोषियों पर सख्त वैधानिक और दंडात्मक कार्यवाही की जाए।इस मामले पर पूर्व विधायक संतोष बाफना का साफ तौर पर कहना है कि, लाखों रुपये के इस कथित भ्रष्टाचार और अपारदर्शिता से बस्तर के युवाओं का मनोबल टूट रहा है और यह न केवल बस्तर के योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय है, बल्कि उच्च शिक्षा के स्तर और बस्तर जैसे संवेदनशील क्षेत्र के विकास पर भी बुरा असर डालता है।

समाचार संक्षेप

जिला पंचायत सीईओ ने नेतानार व कामानार के सेवा डेरा का किया निरीक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 17 जुलाई । जिला पंचायत बस्तर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना ने आज गुरूवार को ग्राम पंचायत नेतानार एवं कामानार के सेवा-डेरा का भ्रमण कर ग्रामीण आजीविका, महिला सशक्तिकरण और स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने महिलाओं से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की तथा रोजगार और आयवृद्धि के नए अवसर विकसित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।ग्राम पंचायत नेतानार के सीआरपीएफ कैम्प में संचालित सेवा-डेरा में सीईओ ने सिलाई मशीन प्रशिक्षण, ढेकी से चांवल निर्माण एवं इमली चपाती निर्माण जैसी गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान महिला समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए सीईओ श्री खन्ना ने कहा कि महिलाओं के प्रयास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में प्रेरणादायक हैं और इन गतिविधियों को और अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं के लिए उत्पादन (प्रोडक्शन) यूनिट स्थापित करने की पहल करने के निर्देश दिए, ताकि प्रशिक्षित महिलाओं को स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और नियमित आय के बेहतर अवसर मिल सकें। साथ ही समूह आधारित उत्पादन, गुणवत्ता सुधार और उत्पादों के विपणन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।इसके बाद मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने ग्राम पंचायत कामानार में स्थित कैंप परिसर के सेवा-डेरा का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने ग्रामीणों एवं स्व-सहायता समूह की दीदियों से 'सेवा-डेरा' की स्थापना को लेकर विस्तार से चर्चा की तथा इसकी कार्य योजना तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सेवा डेरा के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं और सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने इमली प्रसंस्करण इकाई एवं महुआ लड्डू प्रसंस्करण इकाई स्थापित किए ।

बस्तर में बढ़ती लौह अयस्क तस्करी, अवैध वन कटाई और खनिज तंत्र पर उठे गंभीर सवाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 17 जुलाई। बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के मुख्य संयोजक एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के बस्तर संभाग अध्यक्ष नवनीत चाँद, संभागीय महामंत्री रामनाथ नेगी तथा दंतेवाड़ा जिला अध्यक्ष रेमन मरकामी ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य जारी कर कहा कि बैलाडीला, बचेली, किरंदुल, पेंडवार, मिरतुर, गंगालूर, धुरली, नारायणपुर, ओरछा एवं अंतागढ़ क्षेत्र से अवैध लौह अयस्क उत्खनन, तस्करी, वन कटाई तथा वन क्षेत्रों में सड़क निर्माण से जुड़े समाचार लगातार सामने आ रहे हैं। हाल ही में वन विभाग द्वारा लौह अयस्क से भरे ट्रकों की जब्ती ने यह संकेत दिया है कि पूरे घटनाक्रम की समग्र, तकनीकी और स्वतंत्र जांच आवश्यक है।नवनीत चाँद ने कहा कि यदि अलग-अलग क्षेत्रों में बार-बार एक जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, तो यह केवल कानून-व्यवस्था का नहीं बल्कि खनिज प्रशासन, निगरानी व्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का गंभीर विषय है। ऐसे मामलों में केवल वाहन जब्त कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पूरे नेटवर्क, आर्थिक लाभार्थियों और प्रशासनिक जवाबदेही की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) पिछले कई महीनों से ज्ञापन, प्रेस वार्ता और प्रशासनिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उच्च स्तरीय स्ढ्ढञ्ज गठन, विभागीय जवाबदेही, तकनीकी एवं वित्तीय ऑडिट तथा कठोर कार्रवाई की मांग लगातार करता रहा है, किंतु आज तक संभाग स्तरीय विशेष जांच दल का गठन नहीं किया गया।उन्होंने कहा कि यदि जांच में राजस्व हानि, फर्जी दस्तावेज, ट्रांजिट पास, वेब्रिज, रेलवे डिस्पैच, रॉयल्टी, मनी ट्रेल अथवा आर्थिक अपराध के तथ्य सामने आते हैं, तो प्रकरण की जांच अथवा अन्य सक्षम केंद्रीय एजेंसियों से कराई जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि एनएमडीसी अथवा किसी अन्य सार्वजनिक या निजी संस्था से संबंधित किसी प्रकरण में पहले से विभागीय जांच या कार्रवाई चल रही है, तो उन तथ्यों को भी समग्र जांच के दायरे में शामिल किया जाए, ताकि संपूर्ण सत्य जनता के सामने आ सके। नवनीत चाँद ने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय, विभिन्न उच्च न्यायालयों के अवैध खनन संबंधी दिशा-निर्देशों तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा में उठे प्रश्नों के अनुरूप पूरे प्रकरण की समीक्षा कर यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि कानूनों एवं न्यायालयीय निर्देशों का पालन किस स्तर तक हुआ है। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभाव कम होने के बाद यदि खनिज तस्करी और प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन के मामलों में वृद्धि हो रही है, तो सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि रोकथाम के लिए अब तक कौन-सी प्रभावी संस्थागत व्यवस्था विकसित की गई है। बस्तर की प्राकृतिक संपदा संविधान की भावना के अनुरूप बस्तर की जनता की धरोहर है और इसकी सुरक्षा राज्य की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

एक नजर

मानसून में जन-धन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, बाढ़ एवं प्राकृतिक आपदाओं से निपटने जिला प्रशासन तैयार

रायगढ़, 17 जुलाई। सक्रिय मानसून के दौरान संभावित बाढ़ एवं प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने, राहत एवं बचाव कार्यों को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा मौसमी एवं जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री मयंक चतुर्वेदी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह ने आज एसपी कार्यालय में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में नगर निगम, नगर पालिका, राजस्व, स्वास्थ्य, जल संसाधन, विद्युत, पुलिस, नगर सेना सहित सभी संबंधित विभागों की तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए व्यापक कार्ययोजना पर चर्चा की गई।बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिजीत बबन पठारे, सीएसपी श्री मयंक मिश्रा, सहायक कलेक्टर श्री गोकुल आर.के., नगर निगम आयुक्त श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अनिल कुमार जगत, जल संसाधन विभाग, विद्युत विभाग, नगर सेना, राजस्व विभाग, तहसीलदार तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने कहा कि मानसून के दौरान जन-धन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग पूरी सतर्कता, आपसी समन्वय एवं त्वरित कार्रवाई की कार्ययोजना के साथ कार्य करें। किसी भी आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों में विलंब या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रत्येक विभाग अपनी जिम्मेदारियों का पूर्व निर्धारण कर मैदानी स्तर पर पूरी तैयारी सुनिश्चित करे। बैठक में नगर निगम, नगर पालिकाओं से लेकर बाढ़ प्रभावित गांवों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों तक की स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई। संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान कर वहां पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने तथा संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण से बढ़ी मजदूरी, हितग्राही ने जताया आभार

कांकेर 17 जुलाई। भारत सरकार द्वारा विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण (वीबी-जीरामजी) के अंतर्गत ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी दर निर्धारित की गई है, इससे ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों को आर्थिक मिलेगा। कांकेर विकासखंड के ग्राम बेवरती निवासी श्रीमती धनेश्वरी साहू ने बताया कि पहले उन्हें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत 261 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी मिलती थी। अब विकसित भारत, रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण के तहत उन्हें 300 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी मिलेगी।उन्होंने कहा कि मजदूरी दर में हुई वृद्धि से ग्रामीण श्रमिकों को आर्थिक संबल मिलेगा तथा परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करने में आसानी होगी। इस पहल के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार का यह निर्णय ग्रामीण श्रमिकों के लिए लाभकारी साबित हो रहा है।

जिले में अब तक 2537 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

कांकेर 17 जुलाई । जिले में 01 जून से अब तक जिले की 11 तहसीलों में कुल 2537.1 मिलीमीटर वर्षा यानी 230.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

कलेक्टर कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक सर्वाधिक वर्षा कोयलीबेड़ा तहसील में 415.9 मिलीमीटर तथा सबसे कम आमाबेड़ा तहसील में 145.4 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है।

जगन्नाथ मंदिर से निकली रथयात्रा में शिवरतन शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रध्दालु हुए शामिल

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा, 17 जुलाई। नगर में गुरुवार को रथयात्रा धूमधाम से मनाया गया है। भाजपा नेता छत्तीसगढ़ शिवरतन शर्मा शंकर वार्ड स्थित लटूरिया महाराज मंदिर (जगन्नाथ मंदिर) में आयोजित रथ यात्रा में शामिल हुए।

भाटापारा के जगन्नाथ मंदिर में विशेष रस्म के साथ रथ यात्रा निकाली गई है। रथ यात्रा शुरू करने से पहले शिवरतन शर्मा ने प्रभु की प्रतिमा को हाथों से उठा कर रथ में विधि विधान से पुजा अर्चना कर बिठाया। इस मौके पर

शिवरतन शर्मा ने सभी प्रदेशवासियों को रथयात्रा की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व ओडिशा के लिए जितना बड़ा उत्सव है, उतना ही बड़ा उत्सव छत्तीसगढ़ के लिए भी है। महाप्रभु जगन्नाथ जितने ओडिशा के लोगों को प्रिय हैं, उतने ही छत्तीसगढ़ के लोगों को भी प्रिय हैं, और उनकी जितनी कृपा ओडिशा पर रही है, उतनी ही कृपा छत्तीसगढ़ पर रही है।

आज भगवान जगन्नाथ जी, बलभद्र जी और सुभद्रा जी के मनहर संबंधों की रसस्नात विश्वप्रसिद्ध रथ यात्रा प्रारंभ हो रही है। भारतीयता के अलौकिक संस्कृति सौंदर्य से सुशोभित इस रथयात्रा उत्सव की आप सब श्रद्धावान को हार्दिक शुभकामनाएं। उक्त अवसर पर बड़ी संख्या में नगर सहित आस पास के ग्रामीण श्रद्धालु जन उपस्थित थे..।

तेंदूमुड़ी के 50 परिवारों को मिली राहत, शिकायत पर प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

सीएम हेल्पलाइन का असर-तीन माह से बंद सोलर पेयजल संयंत्र फिर हुआ चालू

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 17 जुलाई। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही है। इसका एक प्रेरक उदाहरण ग्राम पंचायत तेंदूमुड़ी के वार्ड क्रमांक 4 में देखने को मिला, जहां तीन माह से बंद पड़े सोलर पेयजल संयंत्र को शिकायत के बाद तत्काल सुधार कर पुनः चालू किया गया। इससे लगभग 50 परिवारों को पेयजल संकट से राहत मिली है।

ग्राम तेंदूमुड़ी निवासी राजेंद्र कुमार ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कर बताया कि वार्ड क्रमांक 4 में लगभग 10 वर्ष पूर्व स्थापित सोलर पेयजल संयंत्र पिछले तीन माह से खराब पड़ा है। संयंत्र बंद होने के कारण वार्ड के करीब 50 परिवारों को पेयजल के लिए प्रतिदिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों को दूर-दराज के जलस्त्रोतों से पानी लाना पड़ता था, जिससे समय और श्रम दोनों की अतिरिक्त खपत होती थी।

शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल तकनीकी दल को मौके पर भेजा। निरीक्षण में पाया गया कि संयंत्र में स्थापित सबमर्सिबल पंप खराब होने के कारण जलापूर्ति पूरी तरह बंद थी। इसके बाद 17 जून 2026 को नया सबमर्सिबल पंप, आवश्यक पाइप एवं नल स्थापित कर सोलर पेयजल संयंत्र को पुनः कार्यशील बना दिया गया। मरम्मत कार्य पूर्ण होते ही संयंत्र से नियमित पेयजल आपूर्ति प्रारंभ हो गई, जिससे सभी प्रभावित परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने लगा। राजेंद्र कुमार एवं अन्य ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय बाद गांव में पेयजल व्यवस्था सामान्य होने से उन्हें बड़ी राहत मिली है। अब घर के समीप ही नियमित रूप से पानी उपलब्ध हो रहा है, जिससे दैनिक जीवन सुगम हो गया है। ग्रामीणों ने समस्या के त्वरित समाधान के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

नाबार्ड के उप प्रबंध निदेशक गोवर्धन सिंह रावत ने किया महासमुंद जिले का दौरा

महासमुंद 17 जुलाई । राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड के उप प्रबंध निदेशक श्री गोवर्धन सिंह रावत ने गुरूवार को महासमुंद जिले का दौरा किया। उनके साथ नाबार्ड छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय से मुख्य महाप्रबंधक डीके, गवली महाप्रबंधक शीतांशु शेखर उप महाप्रबंधक ब्रजेन्द्र किशोर सामंतरायए उप महाप्रबंधक अजय थुटे तथा जिला विकास प्रबंधकए महासमुंद श्री प्रियब्रत साहू भी उपस्थित रहे।दौरे के प्रारंभ में रावत ने ग्राम भोरिंग स्थित नवगठित बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति पैक्स पहुंचकर समिति के व्यवसाय संचालन की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सुझाव दिया कि तुमगांव पैक्स से इस नवगठित समिति के पृथक्करण की प्रक्रिया सुगमतापूर्वक सम्पन्न की जाए।

पशुपालकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने जिले में खुलेंगे पशु औषधि विक्रय केन्द्र

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 17 जुलाई। छत्तीसगढ़ शासन के पशुधन विकास विभाग के निर्देशानुसार प्रदेश के पशुपालकों को सस्ती एवं अच्छी गुणवत्ता वाली जेनेरिक पशु दवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पशु औषधि विक्रय केन्द्रों की स्थापना की जा रही है। इसी कड़ी में रायगढ़ जिले में प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र (पीएम-केएसकी) तथा सहकारी समितियों (सीएस) के माध्यम से जिला एवं विकासखंड स्तर पर एक-एक पशु औषधि विक्रय केन्द्र स्थापित किए जाएंगे।

उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं कार्यालय रायगढ़ से प्राप्त जानकारी के अनुसार योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र एवं सहकारी समितियां पशु औषधि विक्रय केन्द्र स्थापित करने के लिए पात्र होंगी। इसके लिए न्यूनतम 120 वर्गफुट स्थान स्वयं के स्वामित्व में अथवा किराये पर उपलब्ध होना अनिवार्य है। साथ ही केन्द्र में बी-फार्मा अथवा डी-फार्मा डिग्रीधारी व्यक्ति की नियुक्ति करना आवश्यक होगा तथा राज्य औषधि नियंत्रण प्राधिकरण से औषधि विक्रय लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य रहेगा। शासन द्वारा स्वीकृत आवेदकों के लिए आवेदन शुल्क 5 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। पशु औषधि विक्रय केन्द्र स्थापित करने के इच्छुक आवेदकों को भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग की वेबसाइट httpt.//www.dahd.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। साथ ही पशु औषधि घटक से संबंधित संचालन दिशा-निर्देश एवं अन्य जानकारी विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध है।आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए विभाग द्वारा विभागीय वेबसाईट में प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से 4 बजे के मध्य ऑनलाइन प्रदर्शन एवं शैक्षणिक वीडियो भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे इच्छुक आवेदक आवेदन प्रक्रिया एवं योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए इच्छुक आवेदक कार्यालय उप संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं, रायगढ़ से संपर्क कर सकते हैं।

किशोरियों के लिए 18 जुलाई तक चलेगा विशेष टीकाकरण अभियान

रायगढ़, 17 जुलाई। कलेक्टर के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. बी.पी.पटेल के मार्गदर्शन में जिले में सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) की रोकथाम के लिए 18 जुलाई 2026 तक विशेष एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत उन 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को निःशुल्क एचपीवी वैक्सीन लगाई जाएगी, जिन्होंने 14 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है, लेकिन 15 वर्ष की आयु पूर्ण नहीं की है। यह टीका जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला चिकित्सालय एवं अन्य शासकीय टीकाकरण केंद्रों पर उपलब्ध रहेगा। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, एचपीवी वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित, प्रभावी और विश्वसनीय है तथा यह सर्वाइकल कैंसर से बचाव का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अब तक इस वैक्सीन से किसी भी गंभीर दुष्प्रभाव की पुष्टि नहीं हुई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी 14 वर्ष की पात्र बालिकाओं को निकटतम सरकारी टीकाकरण केंद्र लेकर जाएं और उन्हें निःशुल्क एचपीवी वैक्सीन अवश्य लगवाएं, ताकि भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से उनकी प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि इस विशेष अभियान को सफल बनाने के लिए जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं ।

श्री सुरभि गौ धाम श्री गो-गोपाल एवं श्री वास्तु पूजन महोत्सव मनाया

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा,17 जुलाई। सुरभि गौ धाम में आयोजित श्री गो-गोपाल एवं श्री वास्तु पूजन महोत्सव श्रद्धा, आस्था एवं धार्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, अखिल भारतीय संत समिति के प्रदेश अध्यक्ष संत रामस्वरूप दास महात्यागी जी महाराज नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों, संतजनों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर गौ सेवा एवं लोककल्याण की कामना की।

पूजन में नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा नेहा शर्मा सपत्नीक के साथ पार्षद गेंदू साव संतोषी साव, संध्या साहू राजेश साहू, दीपा साहू दशरथ साहू, एल्डरमैन मधु सोनी वाय आर सोनी, कुंजराम कोसले मोहिनी कोशले, लक्ष्मीकांत टंडन निशा टंडन सपत्नीक सम्मिलित होकर पूजा अर्चना की। पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने कहा कि गौ सेवा भारतीय संस्कृति और

सनातन परंपरा का अभिन्न अंग है। गौ संरक्षण, धार्मिक आस्था, सेवा और पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्य समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को सशक्त बनाने के साथ सामाजिक समरसता और जनजागरण का माध्यम भी बनते हैं। संत रामस्वरूप दास महात्यागी जी महाराज ने कहा कि गौ सेवा, वृक्षारोपण और धर्म आधारित जनकल्याण के कार्य मानव जीवन को पुण्य एवं लोकमंगल से जोड़ते हैं। समाज में सेवा, सद्भाव और संस्कारों का प्रसार ही सच्चे अर्थों में राष्ट्र निर्माण का आधार है। अपने आशीर्वचन में कहा कि जिस समाज में गौ माता का सम्मान, संतों का आदर और प्रकृति का संरक्षण होता है, वहाँ सुख, शांति और समृद्धि स्वतः स्थापित होती है। गौ सेवा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानवता की सेवा है। वृक्षारोपण, गौ संरक्षण और सत्संग ऐसे तीन महायज्ञ हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ, संस्कारित और समृद्ध भविष्य प्रदान करते हैं।नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने आयोजन की सफलता पर सभी सहयोगियों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुरभि गौ धाम समाज की आस्था और सेवा का महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने समस्त नगरवासियों से गौ सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं धार्मिक गतिविधियों से जुड़ते हुए ऐसे जनहितकारी कार्यों को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।इस पावन अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया, आशीष जायसवाल,सभापति मनीष मिश्रा,देवेंद्र साहू,गोविंद पटेल, , एल्डरमैन डॉ मोहन बांधे राजा कमनानी रूपेश तिवारी डॉ संतोष वर्मा पार्षद नंद किशोर वैष्णव,गोवर्धन डहरिया,मनीष पंजवानी,भुवन सिंह ठाकुर,सुरेश मंधानी,श्रेणिक गोलछा,मोंटू ध्रुव,लिकेश साहू,ठाकुरराम साहू,उमाशंकर वर्मा, कीर्तन जायसवाल अजय ठाकुर चन्द्रशेखर चक्रधारी योगेश अनंत शुभम राजपूत, प्रकाश ठाकुर चंद्रकांत खुटे संजय बंजारे संतीश साहू भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अविनाश शर्मा, रविन्द्र शर्मा संतोष पांडेय गौ सेवक अभिषेक , संकेत उपाध्याय,पीयूष साहू, सुरेंद्र डागोर,काके थदवानी,राकु मंधान, नरेश आर्य रौनक मूंधड़ा एवं अधिकारी कर्मचारी, गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

जिले में अब तक 370.9 मिलीमीटर औसत वर्षा

महासमुंद 17 जुलाई । महासमुंद जिले में चालू मानसून के दौरान 01 जून 2026 से अब तक 370.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख से मिली जानकारी के अनुसार जिले में सर्वाधिक औसत वर्षा पिथौरा तहसील में 486.4 मिलीमीटर, सरायपाली में 469.4 मिलीमीटर, महासमुंद में 360.9 मिलीमीटर, बसना में 316.9 मिलीमीटर, बागबाहरा में 311.1 मिलीमीटर और सबसे कम वर्षा 281.2 मिलीमीटर कोमाखान तहसील में दर्ज की गई। आज 17 जुलाई को 31.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। जिले के तहसीलवार वर्षा में पिथौरा तहसील में 57.6 मिलीमीटर, बसना में 44.1 मिलीमीटर, सरायपाली में 35.9 मिलीमीटर, महासमुंद में 23.1 मिलीमीटर, बागबाहरा में 19.5 मिलीमीटर एवं कोमाखान तहसील में 8.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

तंबाकू नियंत्रण के लिए संयुक्त प्रवर्तन दल ने की 16 चालानी कार्रवाई

महासमुंद 17 जुलाई । राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव के निर्देशन में बिरकोनी क्षेत्र में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त प्रवर्तन दल द्वारा कोटपा अधिनियम, 2003 (सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003) के तहत चालानी कार्रवाई की गई। चालानी कार्रवाई जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती नीलू घृतलहरे के मार्गदर्शन तथा जिला नोडल अधिकारी एनटीसीपी डॉ. छत्रपाल चंद्राकर के सहयोग से किया गया।

कार्रवाई के दौरान औषधि निरीक्षक श्री अवधेश भारद्वाज एवं

श्री अखिलेश पाण्डे द्वारा शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान कोटपा अधिनियम, 2003 की धारा 4 (सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध), धारा 6(क) (18 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों को तंबाकू उत्पादों की बिक्री एवं उनके द्वारा उपयोग पर प्रतिबंध) तथा धारा 6(ख) (शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध) के उल्लंघन पाए जाने पर कुल 16 चालान बनाए गए। इस संयुक्त प्रवर्तन कार्यवाही में खाद्य एवं औषधि प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग तथा पुलिस विभाग के अधिकारी एवं पुलिस विभाग से आरक्षक भी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा नियम तोड़ने पर जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर 41 से अधिक वाहनों पर किया 41 हजार रुपए का जुर्माना

रायगढ़, 17 जुलाई । सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रायगढ़ जिला प्रशासन ने आज राजमार्गों पर अवैध अतिक्रमण और बेतरतीब पार्किंग के खिलाफ व्यापक संयुक्त अभियान चलाया। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के दिशा.निर्देशों के अनुरूप गठित जिला राजमार्ग सुरक्षा टास्क फोर्स ने शहर के प्रमुख यातायात क्षेत्रों में सघन प्रवर्तन अभियान चलाते हुए राजमार्गों से अतिक्रमण हटाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले 41 से अधिक वाहनों पर लगभग 41 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री मयंक चतुर्वेदी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशिमोहन सिंह के निर्देशन में यह अभियान कांशीराम चौकए छातामुड़ा चौक तथा अन्य व्यस्त मार्गों पर संचालित किया गया। अभियान के दौरान एडीएम श्री अपूर्व प्रियेश टोप्पोए एसडीएम महेश शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक यातायात तहसीलदार, अनुविभागीय अधिकारी राष्ट्रीय राजमार्ग तथा जिला परिवहन अधिकारी सहित विभिन्न विभागों की संयुक्त टीम ने मैदानी स्तर पर कार्रवाई की।

समाचार संक्षेप

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामपुर में छात्रसंघ का गठन, विद्यार्थियों ने ली गोपनीयता व कर्तव्यनिष्ठा की शपथ

अंवरी,17 जुलाई। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामपुर में सोमवार, 13 जुलाई को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्र संघ का गठन लोकतांत्रिक एवं विधिवत प्रक्रिया के तहत संपन्न कराया गया। छात्र संघ चुनाव का आयोजन चुनाव अधिकारी जे. ध्रुव मैडम, जागेश्वर सर, बीरेंद्र निषाद सर, आर.के. बघेल सर, स्वाति साहू मैडम एवं सोनल अग्रवाल की देखरेख में हुआ, जबकि संस्था प्रमुख एवं प्राचार्य एम.आर. मनहर ने रिटर्निंग अधिकारी की भूमिका निभाई।चुनाव के दौरान शाला नायक, उप शाला नायक, अनुशासन प्रभारी, क्रीड़ा प्रभारी, सांस्कृतिक प्रभारी, इको क्लब प्रभारी तथा कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के कक्षा नायकों का चयन किया गया। साथ ही नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए सत्यम, शिवम, सुंदरम एवं मधुरम हाउस में विभाजित किया गया। इन चारों हाउसों के मध्य वर्षभर खेल, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक हाउस के लिए हाउस लीडर एवं वाइस लीडर का भी निर्वाचन किया गया।छात्र संघ के प्रमुख पदों पर शाला नायक के रूप में नोमेश कुमार (कक्षा 12वीं), उप शाला नायक शौर्य (कक्षा 11वीं), अनुशासन प्रभारी मारिया (कक्षा 12वीं), क्रीड़ा प्रभारी टूकेश्वर (कक्षा 10वीं), इको क्लब प्रभारी शैलेन्द्र कुमार तथा सांस्कृतिक प्रभारी प्राची (कक्षा 12वीं) का चयन हुआ। वहीं कक्षा नायक के रूप में कक्षा 9वीं से देवप्रकाश, कक्षा 10वीं से नोमिका, कक्षा 11वीं से लोकेश कुमार तथा कक्षा 12वीं से रवीना साहू को जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर संस्था प्रमुख एवं प्राचार्य एम.आर. मनहर ने नवगठित छात्र संघ के पदाधिकारियों को विद्यालय के अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी से करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को गोपनीयता एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ व्याख्याता आर.के. बघेल, आर.के. टंडन, एच.के. साहू, के.के. वर्मा, बी.के. निषाद, जे.के. साहू, व्यायाम शिक्षक गुलशन साहू, डी.के. साहू, एस. अग्रवाल, जे. ध्रुव, एस. साहू, एल. सोन, एम. ठाकुर सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गति अवरोधक की मांग पूरी नहीं होने पर ग्राम विकास समिति अंवरी ने दी चक्का जाम की चेतावनी

अंवरी,17 जुलाई। ग्राम विकास समिति अंवरी ने कल्ले से अंवरी होते हुए आमदी तक नव-निर्मित सड़क पर गति अवरोधक (स्पीड ब्रेकर) बनाए जाने की मांग को लेकर शासन-प्रशासन को 20 जुलाई 2026 को चक्का जाम करने की चेतावनी दी है।समिति के अनुसार इस संबंध में जिला पंचायत सदस्य कुलेश्वरी सुनील गायकवाड़ को लिखित आवेदन सौंपा गया था। श्रीमती गायकवाड़ ने बताया कि उन्होंने इस मांग को जिला पंचायत की सामान्य सभा तथा दिशा समिति की बैठक में भी उठाया, लेकिन संबंधित विभाग ने बजट का अभाव बताते हुए कोई कार्रवाई नहीं की। ग्राम विकास समिति का कहना है कि 6 मई 2026 को भी इस समस्या से जिला कलेक्टर धमतरी को अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। इसके बाद 14 जुलाई 2026 को कलेक्टर धमतरी एवं अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) कुरूद को पुनः ज्ञापन सौंपकर शीघ्र गति अवरोधक बनाने की मांग की गई।समिति ने बताया कि नेशनल हाईवे से जुड़ने वाली कल्ले-आमदी सड़क के बीच ग्राम अंवरी स्थित है। गांव के तालाब, अस्पताल, आंगनबाड़ी, स्कूल सहित दैनिक उपयोग के अधिकांश स्थान सड़क के दूसरी ओर स्थित हैं, जिसके कारण ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को प्रतिदिन सड़क पार करनी पड़ती है। वहीं, मरौद टोल प्लाजा शुरू होने के बाद इस मार्ग पर ट्रक, ट्रेलर, हाईवा सहित भारी वाहनों की आवाजाही काफी बढ़ गई है और वाहन तेज रफ्तार से 24 घंटे गुजरते हैं, जिससे हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।समिति ने बताया कि 12 जुलाई को तीन स्कूली बच्चे एक तेज रफ्तार हाईवा की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। इसके अलावा पूर्व में भी एक मोटरसाइकिल चालक दुर्घटनाग्रस्त होकर नाली में गिर गया था, जिससे उसकी मृत्यु हो गई थी। इन घटनाओं के बावजूद प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं।ग्राम विकास समिति ने चेतावनी दी है कि यदि शासन-प्रशासन द्वारा इस गंभीर समस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो ग्रामवासी 20 जुलाई 2026 को गांव के मुख्य मार्ग पर धरना-प्रदर्शन एवं चक्का जाम करेंगे। समिति ने कहा कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

कलेक्टर से सौजन्य भेंट कर ज्योति जैन ने विकास कार्यों पर की सार्थक चर्चा

अंवरी,17 जुलाई। नगर पंचायत भखारा-भठेली की अध्यक्ष ज्योति हरख जैन ने जिला कलेक्टर अविनाश मिश्रा से सौजन्य भेंट कर नगर एवं अंचल में चल रहे तथा प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान नगर के विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।ज्योति हरख जैन ने बताया कि विधायक अजय चंद्राकर के मार्गदर्शन एवं प्रयासों से डीएमएफ मद से भखारा-भठेली में खेल प्रेमियों के लिए बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड स्थापित किया जाएगा। साथ ही स्वामी विवेकानंद ई-लाइब्रेरी में वाई-फाई सुविधा प्रारंभ होने से विद्यार्थियों को आधुनिक अध्ययन सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। बैठक में आगामी समय में अम्मा तालाब एवं आसपास के तालाबों को प्रवासी (विदेशी) पक्षियों के आगमन को ध्यान में रखते हुए रामसर परियोजना की अवधारणा के अनुरूप विकसित करने के विषय पर भी सकारात्मक चर्चा हुई, जिससे पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भूमिहीन कृषक योजना एवं बैंकिंग सुविधा का उठाया मुद्दा-ज्योति हरख जैन ने कलेक्टर का ध्यान इस ओर भी आकर्षित कराया कि दीनदयाल भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत केंद्र एवं राज्य शासन से मिलने वाली सहायता राशि का लाभ पोर्टल बंद होने के कारण अनेक पात्र हितग्राहियों को नहीं मिल पाया है। इस संबंध में उन्होंने पूर्व में भी लिखित रूप से मांग रखी थी। कलेक्टर ने बताया कि जिला प्रशासन इस विषय पर गंभीरता से आवश्यक पहल कर रहा है।इसके अतिरिक्त भखारा अंचल में शासकीय चालान जमा करने की सुविधा किसी भी बैंक में उपलब्ध नहीं होने की समस्या से भी कलेक्टर को अवगत कराया गया। इस संबंध में मांग पत्र सौंपते हुए स्थानीय स्तर पर शासकीय चालान स्वीकार करने की बैंकिंग सुविधा प्रारंभ कराने का आग्रह किया गया। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

एक नजर

हिमलता साहू को पीएचडी की उपाधि

रायपुर 17 जुलाई। हिमलता साहू को मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर के शिक्षा संकाय द्वारा पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने शासकीय हिन्दी माध्यम विद्यालय तथा स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक समायोजन क्षमता एवं शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन विषय पर अपना शोधकार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया। यह शोधकार्य शोध निर्देशक प्रो. डॉ. परविंदर हंसपाल ,डायरेक्टर , मैट्स स्कूल ऑफ़ एजुकेशन मैट्स विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस उपलब्धि पर उनके परिवारजनों, गुरुजनों, सहयोगियों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी।

सुदूर वनांचल में जिला पंचायत अध्यक्ष की जनचौपाल महत्वपूर्ण पहल

रायपुर, 17 जुलाई। सुदूर वनांचल में 'जिला पंचायत अध्यक्ष की जनचौपाल' एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य शासन की योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाना और ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है?यह आयोजन स्थानीय विकास, बुनियादी सुविधाओं (जैसे- सड़क, पानी, बिजली) और निवासियों की शिकायतों के समाधान के लिए सीधा संवाद स्थापित करता है । पेंशन, राशन, जाति प्रमाण पत्र, और मजदूरी भुगतान जैसी समस्याओं का समाधान मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करके किया जाता है। दंतेवाड़ा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नंदलाल मुड़ामी ने जनप्रतिनिधियों के साथ दंतेवाड़ा जिले के सुदूर वनांचल स्थित ग्राम पंचायत हिरोली, कड़मपाल और मदाड़ी का दौरा किया। उन्होंने गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं और जरूरतें जिला पंचायत अध्यक्ष के सामने रखीं। कई मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से कार्रवाई कराकर ग्रामीणों को त्वरित राहत दी गई। श्री मुड़ामी ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की प्राथमिकता है। ग्रामीणों से चर्चा के दौरान कई दिव्यांगजनों ने बताया कि दिव्यांगता प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देश के बाद स्वास्थ्य विभाग और समाज कल्याण विभाग की टीम ने दिव्यांगजनों को जिला अस्पताल पहुंचाकर दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया शुरू की। इससे उन्हें सामाजिक सुरक्षा और अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ मिलने का रास्ता आसान हुआ। दंतेवाड़ा जिला पंचायत अध्यक्ष के ग्राम दौरे के दौरान दिव्यांग बालक विनय कुमार की शिक्षा का विषय भी सामने आया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल शिक्षा विभाग को उसके प्रवेश की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके बाद शिक्षा विभाग ने दिव्यांग बालक विनय कुमार का सक्षम विद्यालय, जावंगा में प्रवेश सुनिश्चित कराया।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और सेवा सेतु से बदली हजारों लोगों की जिंदगी

रायपुर,17 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन को सशक्त बनाने की दिशा में संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और सेवा सेतु आम नागरिकों के लिए भरोसेमंद मंच बनकर उभरे हैं। इन माध्यमों से प्रदेशभर में लोगों की वर्षों पुरानी समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। राशन कार्ड, आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र सहित विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ अब नागरिकों को पहले की तुलना में कहीं अधिक सरल और तेज़ी से मिल रहा है। दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड के ग्राम ओरी निवासी श्री अभिषेक चतुर्वेदी लंबे समय से अपनी पत्नी श्रीमती शीतल चतुर्वेदी का राशन कार्ड बनवाने का प्रयास कर रहे थे। संबंधित विभाग में आवेदन देने के बावजूद विभिन्न कारणों से राशन कार्ड जारी नहीं हो पा रहा था, जिससे परिवार सार्वजनिक वितरण प्रणाली सहित अन्य शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित था। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और कुछ ही दिनों में राशन कार्ड जारी कर दिया। राशन कार्ड मिलने पर परिवार ने मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हेल्पलाइन ने उनकी बड़ी समस्या का शीघ्र समाधान कर उन्हें राहत पहुंचाई। इसी तरह खैरागढ़ जिले की श्रीमती शमाबाई कुमुद रामटेके लंबे समय से आधार कार्ड से जुड़ी समस्याओं से परेशान थीं। कई प्रयासों और कार्यालयों के चक्कर लगाने के बावजूद उनका कार्य नहीं हो सका था। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज करने के बाद अधिकारियों ने तत्काल संपर्क कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। उनके आधार कार्ड में पते की त्रुटि का सुधार किया गया।

आयुक्त ने यातायात प्रभारी एवं निगम व यातायात अमले के साथ गुड़ाखू लाइन में किया पैदल भ्रमण

- **दुकान के बाहर सामान रखकर व्यवसाय न करने व्यवसायियों से की अपील**

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 17 जुलाई। बाजार क्षेत्र में यातायात का दबाव कम करने तथा सुगम आवागमन के लिए आज नगर निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम ने यातायात प्रभारी श्री नवरतन कश्यप, प्र.कार्यपालन अभियंता श्री प्रणय मेश्राम एवं निगम व यातायात की टीम के साथ शहर के प्रमुख मार्ग गुडाखू लाईन में पैदल भ्रमण कर दुकानों के सामने अतिक्रमण न करने एवं समान दुकान के अंदर रखकर व्यवसाय करने की अपील की।उल्लेखनीय है कि शहर के व्यस्तम मार्गो सिनेमा लाईन, हलवाई लाईन, सदर लाईन, गुडाखू लाईन, कामठी लाईन, रामाधीन मार्ग, जूनी हटरी, फल मार्केट सहित अन्य मार्गो के दुकानदारों द्वारा समान बाहर रखकर एवं समान बाहर लटकाकर व्यवसाय किया जाता है, जिससे यातायात बाधित होती है एवं आवगमन में असुविधा होती है। जिसे ध्यान में रखकर आयुक्त श्री मरकाम ने आज यातायात प्रभारी तथा निगम व यातायात की टीम के साथ गुड़ाखू लाईन में भ्रमण कर समान दुकान के अंदर रखने समझाईस दिये।

आयुक्त श्री मरकाम ने कहा कि शहर के व्यस्तम मार्गो के दुकानदारों द्वारा अपनी दुकान की सीमा के बाहर प्लेटफार्म तथा सडक पर सामान रखकर व्यवसाय किया जाता है तथा कपडा व अन्य सामान बाहर लटकाया जाता है, जिससे पार्किंग में असुविधा होने के साथ साथ यातायात बाधित होती है और दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। इसके अलावा दुकान में भी खरीददार पार्किंग के अभाव एवं खडे होने की जगह नहीं होने पर उक्त दुकान में खदीददारी करने नहीं जाते, जिससे दुकानदारों को भी नुकसान होता है। इन्ही बातो को आज व्यपारियों को उनके दुकान में जाकर समझाईस दी गयी कि वे समान दुकान के अंदर रखे तथा रोड में बने सफेद पट्टी के अंदर पार्किंग करे। उन्होंने दुर्घटना रोकने एवं शहर को व्यवस्थित करने में सहयोग करने व्यापारियों से अपील की है। इस अवसर पर निगम व यातायात का अमला उपस्थित था।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दोकड़ा की ऐतिहासिक रथयात्रा में निभाई गजपति महाराजा की परंपरा

- **भगवान जगन्नाथ का रथ खींचकर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की**

रायपुर, 17 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड स्थित ग्राम दोकड़ा में आयोजित ऐतिहासिक श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव-2026 में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ परंपरागत गजपति महाराजा की भूमिका का निर्वहन करते हुए भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा की विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने छेरा पहरा की पावन परंपरा का निर्वहन करते हुए सोने की झाड़ू से भगवान के रथ के आगे मार्ग का प्रतीकात्मक रूप से मार्जन किया तथा चंदन मिश्रित पवित्र जल का छिड़काव किया। इसके बाद उन्होंने हजारों श्रद्धालुओं के साथ भगवान श्री जगन्नाथ के रथ की रस्सी खींचकर रथयात्रा का शुभारंभ किया। पूरे दोकड़ा क्षेत्र में जय जगन्नाथ के जयघोष, शंखध्वनि, भजन-कीर्तन और हरिनाम संकीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी श्रद्धालुओं को रथयात्रा की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि दोकड़ा की ऐतिहासिक रथयात्रा आस्था, संस्कृति और सनातन परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1942 से चली आ रही यह गौरवशाली परंपरा आज भी जनआस्था को नई ऊर्जा प्रदान कर रही है। जनसहयोग से मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ और वर्ष 2025 में प्राण-प्रतिष्ठा के बाद यह दूसरी भव्य रथयात्रा आयोजित हो रही है। उन्होंने गजपति महाराजा की परंपरा निभाने का अवसर देने के लिए दोकड़ावासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ का भगवान श्री जगन्नाथ से प्राचीन और आत्मीय संबंध रहा है। देवभोग का चावल आज भी पुरी के महाप्रसाद में उपयोग किया जाता है, जो इस सांस्कृतिक संबंध का जीवंत प्रमाण है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की गारंटी के अनुरूप प्रदेश में 11 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। महतारी वंदन योजना की 29 किस्तें जारी की जा चुकी हैं तथा रामलला दर्शन और मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना के माध्यम से हजारों श्रद्धालु लाभान्वित हुए हैं। राज्य के प्रमुख धार्मिक स्थलों के विकास को भी प्राथमिकता दी जा रही है

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए सरचार्ज माफी योजना की अवधि तीन माह बढ़ाई गई है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से चौबीसों घंटे नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। वहीं अटल डिजिटल सेवा केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं सहित 520 से अधिक शासकीय सेवाएँ उनके गाँव में ही उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि जशपुर जिले को शीघ्र ही रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं।धरमजयगढ़-लोहरदगा रेल परियोजना को स्वीकृति मिल चुकी है। साथ ही जशपुर जिले में मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति से स्वास्थ्य और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएँ विकसित होंगी।

रथयात्रा के दौरान ओडिशा की प्रसिद्ध कीर्तन मंडलियों ने भजन एवं संकीर्तन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। ढोल, मृदंग, झांझ और शंखध्वनि के बीच श्रद्धालु भगवान के जयघोष लगाते हुए रथयात्रा में शामिल हुए। महिलाओं, युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता ने इस आयोजन को आस्था और लोक संस्कृति के विराट उत्सव में बदल दिया। इस अवसर पर पद्मश्री श्री जागेश्वर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, कमिश्नर श्री नरेंद्र दुग्गा, आईजी श्री दीपक कुमार झा सहित श्री जगन्नाथ मंदिर आयोजन समिति के सदस्य तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

7 दिन की मोहलत खत्म?22.66 लाख पेंशन घोटाले में अब कार्रवाई तय

- **रीता पीटर को डाक विभाग ने 16 जून को जारी किया था नोटिस, तय समय में राशि जमा नहीं होने पर विभागीय व कानूनी कार्रवाई की तैयारी**

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 17 जुलाई। मृत पेंशनधारी के खाते से 11 वर्षों तक पारिवारिक पेंशन की राशि निकालने के चर्चित मामले में अब कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है। भारतीय डाक विभाग द्वारा जारी सात दिन का नोटिस अवधि समाप्त हो चुकी है। अधीक्षक डाकघर, राजनांदगांव संभाग द्वारा श्रीमती रीता पीटर को 22 लाख 66 हजार 500 रुपये की कथित अनधिकृत रूप से आहरित राशि सात दिनों के भीतर जमा करने के निर्देश दिए गए थे। अब निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद विभागीय एवं वैधानिक कार्रवाई की संभावना बढ़ गई है।

डाक विभाग के अनुसार।स्व. श्री रियाजुर रहमान की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी स्व. श्रीमती शकीला बेगम को बीएसएनएल की पारिवारिक पेंशन राजनांदगांव प्रधान डाकघर स्थित बचत बैंक खाते में मिल रही थी। विभाग को प्राप्त शिकायतों और मृत्यु प्रमाण पत्र के अनुसार शकीला बेगम का निधन 31 जनवरी 2013 को हो गया था लेकिन इसके बावजूद फरवरी 2013 से मई 2024 तक उनके खाते से कुल 22,66,500 रुपये की पारिवारिक पेंशन का भुगतान और आहरण होता रहा। जांच समिति की रिपोर्ट, उपलब्ध दस्तावेजों एवं साक्ष्यों के आधार पर डाक विभाग ने आरोप लगाया है कि रीता पीटर ने कूटरचित हस्ताक्षरों और कथित रूप से परिवर्तित जीवन प्रमाण पत्र का उपयोग कर मृत पेंशनधारी के खाते से राशि निकाली। विभाग का कहना है कि इससे भारतीय डाक विभाग और बीएसएनएल को आर्थिक नुकसान पहुंचा है। इस संबंध में 16 जून 2026 को अधीक्षक डाकघर, राजनांदगांव संभाग ने रीता पीटर को नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर पूरी राशि निकटतम डाकघर में जमा करने और उसकी रसीद प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। नोटिस में स्पष्ट चेतावनी दी गई थी कि समय सीमा के भीतर राशि जमा नहीं करने पर विभागीय नियमों के तहत वसूली की कार्रवाई के साथ-साथ वैधानिक एवं दाण्डिक कार्रवाई भी प्रारंभ की जाएगी। अब नोटिस की समय-सीमा समाप्त हो चुकी है। ऐसे में यह मामला फिर चर्चा में है और लोगों की निगाहें डाक विभाग की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। यदि निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं की गई है तो विभाग अपने नोटिस के अनुसार वसूली, एफआईआर अथवा अन्य कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ा सकता है।

> वसूली नहीं हो पाई है। कार्यवाही हेतु संबंधित थाने को भी लिखा गया है।
>
> **सौरभ श्रीवास्तव**, अधीक्षक डाकघर संभागीय कार्यालय राजनांदगांव छत्तीसगढ़

कार केयर के दूसरे स्टूडियो की लॉन्चिंग

रायपुर, 17 जुलाई। छत्तीसगढ़ में अपनी लग्ज़री गाड़ियों को सुरक्षित और खूबसूरत बनाए रखने वाले ऑटोमोबाइल प्रेमियों के लिए एक शानदार खबर है। गाड़ियों की बेहतरीन चमक और सुरक्षा (पेंट प्रोटेक्शन) की लगातार तेज़ी से बढ़ रही रीजनल डिमांड को देखते हुए, आन ऑटोटेक ने रायपुर में अपना दूसरा '3रू कार केयर स्टूडियो' लॉन्च कर दिया है। अंबुजा मॉल के ठीक सामने स्थित यह स्टूडियो भी भारत में '3रू कार केयर स्टूडियो' की चेन की सर्टिफाइड साइंटिफिक डिटेलिंग तकनीक से अपनी सेवाएं देने लिए पूरी तरह तैयार है।

इस नई और भव्य फैसिलिटी का औपचारिक शुभारंभ श्री राम कुमार केशरवानी और श्रीमती प्रभा केशरवानी के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. विवेक केशरवानी की गरिमामयी उपस्थिति भी रही। इस हाई-प्रोफाइल इवेंट में शहर के ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के जाने-माने लोगों के साथ ही गाड़ियों के शौकीन लोग शामिल हुए, जिन्होंने इस नई शुरुआत का गर्मजोशी से स्वागत किया। युवा और दूर की सोच रखने वाले बिज़नेस लीडर श्री प्रशांत केशरवानी के नेतृत्व में 3रू कार केयर चेन का यह विस्तार, सीधे तौर पर ब्रांड के प्रति ग्राहकों के उस गहरे विश्वास को दर्शाता है, जिसके चलते पूरे भारत में 3रू के 100 से अधिक आउटलेट्स सफलतापूर्वक चल रहे हैं। मध्य भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर में आन ऑटोटेक पहले से ही एक बेहद मजबूत और प्रतिष्ठित नाम है। यह ग्रुप ऑडी, होंडा कार्स, होंडा बिगविंग और रॉयल एनफील्ड जैसे विश्व प्रसिद्ध ब्रांड्स की प्रीमियम डीलरशिप का भी शानदार तरीके से संचालन कर रहा है। अंबुजा मॉल के सामने इस प्राइम लोकेशन को विशेष रूप से ग्राहकों की सहूलियत को ध्यान में रखकर चुना गया है, ताकि वे मॉल में अपनी रोजमर्रा की लाइफस्टाइल और आउटिंग के साथ-साथ अपनी गाड़ी की केयर को आसानी से जोड़ सकें। ट्रेडिशनल वर्कशॉप्स की तुलना में, इस नए स्टूडियो को एक बेहद ऑर्गेनाइज़्ड 'फ्लोर प्लान' के साथ डिज़ाइन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य वर्कफ्लो को बेहतर बना कर हर ग्राहक को बिना किसी परेशानी के एक प्रीमियम अनुभव देना है।

रायपुर में हमारे दूसरे 3रू कार केयर स्टूडियो का यह उद्घाटन हमारे लिए एक बहुत बड़ा माइलस्टोन है। हमारे ग्राहकों ने हम पर जो अविश्वसनीय भरोसा जताया है, उसी से प्रेरित होकर हम ग्राहकों को ध्यान में रखकर विश्वस्तरीय तकनीक के साथ प्रीमियम कार और बाइक केयर सोलूशन्स आपके और करीब ला रहे हैं। हमारा विज़न बिल्कुल साफ है- बेहतरीन सेवाओं के जरिए अपने ग्राहकों की गाड़ियों की चमक बनाए रखते हुए और उनकी इस इन्वेस्टमेंट की वैल्यू को लंबे समय तक बरकरार रखना।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजनांतर्गत ऋण लेने आवेदन आमंत्रित

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 17 जुलाई। भारत सरकार द्वारा क्रियान्वित एवं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित प्रधानमंत्री स्वनिधि योजनांतर्गत स्ट्रीट वेंडर्स को निजी व्यवसाय के लिए व्यक्तिगत ऋण देकर उन्हें आत्म निर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है, योजना का क्रियान्वयन करने नगर निगम राजनांदगांव क्षेत्रांतर्गत निवासरत छोटे व्यवसायियों से भी ऑनलाईन आवेदन लिया जा रहा है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ लेने निगम सीमाक्षेत्र के शहरी पथ विक्रेता एवं छोटे दुकानदारो द्वारा विभिन्न बैको से ऋण लेने ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया है। योजनांतर्गत बैको के माध्यम से तीन स्तर में प्रथम ऋण राशि 15 हजार रूपये, प्रथम ऋण अदायगी करने पर द्वितीय ऋण रूपये 25 हजार एवं द्वितीय ऋण अदायगी करने पर तृतीय ऋण राशि 50 हजार रूपये का ऋण देने का प्रावधान है। योजनांतर्गत ऋण पर हितग्राही द्वारा नियमित रूप से ऋण अदायगी करने पर बैक द्वारा ली जाने वाली ब्याज राशि में 7 प्रतिशत की राशि अनुदान के रूप में दिये जाने का प्रावधान किया गया है। योजना आरंभ से वर्तमान तक ऋण प्रकरणो में प्रथम ऋण राशि 15 हजार रूपये के लिए 2029 लोगो को, द्वितीय ऋण रूपये 25 हजार के लिए 609 लोगो को एवं तृतीय ऋण राशि 50 हजार रूपये के लिए 139 लोगो को ऋण प्रदान किया गया है।

महतारी वंदन योजना से लाभान्वित हो रही मीना बाई

राजनांदगांव 17 जुलाई।(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है।

राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम बांटगांव निवासी श्रीमती मीना बाई यादव इस योजना से लाभान्वित होकर अपने परिवार की आवश्यकताओं को आसानी से पूरा कर रही हैं। श्रीमती मीना बाई यादव ने बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत नियमित रूप से राशि प्राप्त हो रही है। योजना की शुरूआत में मिलने वाली यह सहायता उनके लिए बड़ी राहत बनी और अब यह राशि परिवार के मासिक खर्चों में महत्वपूर्ण सहयोग दे रही है। वे इस राशि का उपयोग अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के लिए कॉपी, किताब एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री खरीदने के साथ-साथ घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति में करती हैं। श्रीमती मीना ने कहा कि महतारी वंदन योजना से उन्हें आर्थिक संबल मिला है, जिससे छोटे-छोटे खर्चों के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।

सहकारी समितियों में 45144 मीट्रिक टन एवं निजी क्षेत्र में 18589 मीट्रिक टन उर्वरक का भंडारण

राजनांदगांव 17 जुलाई। राजनांदगांव जिले में खरीफ2026 अंतर्गत धान, मक्का, सोयाबीन, अरहर, उड़द, मूंग सहित अन्य फसलों की बुवाई का कार्य प्रगतिरत है। किसानों के लिए खाद-बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने कहा कि किसानों को किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को किसानों को खाद-बीज उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। जिले में खरीफ2026 हेतु 14331 क्विंटल बीज की मांग के विरूद्ध 14686 क्विंटल बीज भंडारण कराकर 13700.82 क्विंटल बीज किसानों को समिति एवं कृषि विभाग के माध्यम से वितरण कराया गया है। बीजों का भंडारण वर्तमान लक्ष्य के विरूद्ध 102 प्रतिशत हैं एवं भंडारण के विरूद्ध वितरण 93 प्रतिशत है। अद्यतन 112884.92 हेक्टेयर रकबा में खरीफफसलों की बुवाई का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जिसमें धान फसल की 111339 हेक्टेयर रकबा में की बुवाई व रोपाई का कार्य पूर्ण हो चुका है। खरीफफसलों के लिए रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु इस वर्ष सहकारी क्षेत्र में 45650 मीट्रिक टन एवं निजी क्षेत्र में 23310 मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लक्ष्य के विरूद्ध 45144 मीट्रिक टन उर्वरक सहकारी समितियों में एवं निजी क्षेत्र में लक्ष्य के विरूद्ध 18589 मीट्रिक टन उर्वरकों का भंडारण किया जा चुका है, जो निर्धारित लक्ष्य का 92 प्रतिशत है। जिले में लक्ष्य की तुलना में सहकारी एवं निजी क्षेत्रों से यूरिया 23561 मीट्रिक टन, एसएसपी 8570 मीट्रिक टन, एमओपी 3259 मीट्रिक टन, डीएपी 4704 मीट्रिक टन एवं एनपीके 11443 मीट्रिक टन किसानों को वितरण किया जा चुका है, जो कि भंडारण की तुलना में 80 प्रतिशत हैं। उप संचालक कृषि श्री टीकम सिंह ठाकुर ने सभी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं से अपील की है कि किसानों को उर्वरकों के उठाव में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो तथा किसानों को खाद एवं बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं पायल अम्बादे पति राजकुमार अम्बादे निवासी भीम नगर आम्बेडकर वार्ड नं. 09 डोंगरगढ़ पोष्ट-थाना-तहसील-डोंगरगढ़ जिला-राजनांदगांव छ.ग. की निवासी हूं मेरे आधार कार्ड में नाम पायल रामटेके पति स्व. रोहित रामटेके अंकित हैं एवं मैं अपने नया नाम परिवर्तन कर हिन्दी/अग्रेजी पायल आम्बादे पति राजकुमार अम्बादे PAYAL AMBADE W/O RAJKUMAR AMBADE के नाम से जाना एव पहचाना जावे । सूचना जाने ।

भवदीय
(पायल अम्बादे)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव
ईशतहार
रा.प्र.क्र./ ई.कोर्ट क्र. 202607095300006-अ/6-वर्ष 2025-26

एतद सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक मोरध्वज पिता मोतीराम जाति लोधी निवासी मुढ़िया तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव (छ.ग.) एवं अनावेदक नीलम कुमार पिता लेखराम जाति लोधी निवासी मुढ़िया तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव (छ.ग.) द्वारा ग्राम मुढ़िया पटवारी हल्का नं. 04 राजस्व निरीक्षक मंडल मोहारा तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव स्थित भूमि खसरा नं. 317 में से रकबा 0.040 हेक्टेयर भूमि का दिनांक 19.05.2026 को उप पंजीयक कार्यालय डोंगरगढ़ में दानपत्र रजिस्ट्री निष्पादित किया गया है। जिसे विधिवत सुनवाई हेतु ई-कोर्ट में हस्तान्तरण किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार की दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा/आपत्ति पेशी दिनांक 20/07/2026 तक या उसके पूर्व प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर | अतिरिक्त तहसीलदार डोंगरगढ़

न्यायालय नायब तहसीलदार लालबहादुर नगर के न्यायालय में मामला
क्रमांक : 202607095000008
विषय:- ब-121 सन् 2025-2026
मामले की श्रेणी :- राजस्व
भुरसाटोला प.ह.न. 00004 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार- पल्टुराम,
अनावेदक पक्षकार-
ईशतहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक पल्टुराम पिता फुलसिंग जाति गोंड, निवासी ग्राम भुरसाटोला तहसील लाल बहादुर नगर जिला राजनांदगांव द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि, आवेदक अपनी माता ठगिया बाई पति फुलसिंग जाति गोंड का मृत्यु दिनांक 16.10.2024 को स्थान भुरसाटोला, में हुआ है, जो कि भूलवश ग्राम पंचायत बुढ़ानछापर में संधारित मृत्यु पंजी/रजिस्ट्रार में दर्ज नही हो पाया आवेदक अपनी माता ठगिया बाई पति फुलसिंग जाति गोंड का नाम मृत्यु पंजी में दर्ज करवाकर मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहता है। अतः ग्राम पंचायत बुढ़ानछापर में मृत्यु पंजी में दर्ज करवाकर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन पत्र पेश कर निवेदन किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति पेश करना हो तो वह स्वयं या अपने अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 24.07.2026 तक या उसके पूर्व प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

यह ईशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/07/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर | नायब तहसीलदार लाल बहादुर नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)
ईशतहार
रा.प्र.क्र. 202607095300006 अ/6 (अ) वर्ष 2025-26

एतद सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, सरस्वती चन्द्रवंशी पिता कनसराम पति हिरदे चन्द्रवंशी जाति कंवर निवासी डुन्डेरा कृषक ग्राम शिवपुरी ग्राम शिवपुरी पटवारी हल्का नं. 02 में स्थित कृषि भूमि कुल खसरा 12 कुल रकबा 4.277 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेख में शामिलात नाम पर दर्ज है। आवेदिका का नाम राजस्व अभिलेख में रूखमणी पिता कनसराम दर्ज है। आवेदिका का शादी होने के बाद ससुराल में सरस्वती के नाम से आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज में दर्ज है। आवेदिका द्वारा ग्राम शिवपुरी पटवारी हल्का नं. 02 में स्थित कृषि भूमि कुल खसरा 12 कुल रकबा 4.277 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेख में रूखमणी के स्थान पर रूखमणी उर्फ सरस्वती चन्द्रवंशी पिता कनसराम के नाम पर रिकार्ड दुरूस्त करने बाबत् आवेदन पत्र, आधार कार्ड, बी-1, ऋण पुस्तिका की छायाप्रति पेश किया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व आपत्ति हो तो वह दिनांक 20-07-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। नियत समयावधि में आपत्ति प्राप्त नही होने के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर | अतिरिक्त तहसीलदार डोंगरगढ़

न्यायालय नायब तहसीलदार डोंगरगढ़ 1 के न्यायालय में मामला
क्रमांक : 202607095200008
विषय:- ब-121 सन् 2025-2026
मामले की श्रेणी :- राजस्व
कातलवाही प.ह.न. 00018 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-अनामिका लोहार,
अनावेदक पक्षकार-
ईशतहार

एतद् द्वारा सर्व सधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका अनामिका पिता गन्नू जाति लोहार सा. कातलवाही तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगाँव द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक अपने स्वयं अनामिका पिता गन्नू की जन्म दिनांक 21.08.2005 को ग्राम कातलवाही में हुआ है के नाम पर जन्म तिथि दर्ज कर प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने बाबत आवेदक द्वारा आवेदन पत्र सहित शपथ पत्र, शिक्षण पत्र, जन्म/मृत्यु पंचनामा, रजिस्ट्रार; जन्म/मृत्यु ग्राम पंचायत रीवागहन का अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, आधार पत्र, आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर हो तो वह ईशतहार प्रकाशन पेशी दिनांक 29.07.2026 उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/07/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर | नायब तहसीलदार डागरगढ़ (छ.ग.)

स्वस्थ नागरिक, समृद्ध छत्तीसगढ़

हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों का प्रमुख केंद्र बनेगा छत्तीसगढ़

राज्य सरकार की दूरदृष्टि, अपार वन संपदा और आयुर्वेदिक पारंपरिक ज्ञान के बल पर छत्तीसगढ़ हर्बल प्रसंस्करण इकाइयों का नया हब बन रहा है। 27.87 एकड़ में अत्याधुनिक हर्बल सेंटर, रोजगार सृजन और किसानों की आय वृद्धि के साथ राज्य को नई आर्थिक पहचान मिल रही है।

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़, भारत में हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों के प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। राज्य सरकार आयुर्वेद, हर्बल और वेलनेस सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए ठोस नीतियों, अत्याधुनिक अवसंरचना और निरंतर निवेश के माध्यम से एक सतत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रही है। राज्य की अपार वन संपदा, पारंपरिक ज्ञान और किसानों की सक्रिय भागीदारी से यह क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर लेकर आया है।

प्रसंस्करण इकाइयों की प्रभावी विशेषताएं

- 27.87 एकड़ क्षेत्र में अत्याधुनिक हर्बल प्रसंस्करण इकाई।
- 36.47 एकोड़ रूपये की लागत से निर्माण।
- यूएसएफडीए (USFDA) मानक तकनीक से युक्त।
- रोजाना 400 से अधिक प्रकार की जड़ी-बूटियों की प्रोसेसिंग क्षमता।
- हर्बल चाय, कैप्सूल, पाउडर, एक्सट्रेक्ट, तेल और अन्य मूल्य वर्धित उत्पादों का निर्माण।

जड़ी-बूटियों की अपार वन संपदा

छत्तीसगढ़ की विविध जलवायु, समृद्ध वन क्षेत्र और अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियाँ इसे औषधीय पौधों की दृष्टि से देश के अग्रणी राज्यों में स्थान दिलाती हैं। राज्य के जंगलों और ग्रामीण क्षेत्रों में अशोक, शतावरी, कालमेघ, गिलोय, सफेद मुसली, हर्रा, बहेड़ा, आंवला तथा अन्य अनेक महत्वपूर्ण जड़ी-बूटियाँ प्राकृतिक रूप से पाई जाती हैं।

- ये जड़ी-बूटियाँ केवल आयुर्वेद और पारंपरिक उपचार पद्धतियों में ही उपयोगी नहीं हैं, बल्कि हर्बल उद्योग, औषधि निर्माण और स्वास्थ्य उत्पादों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण संसाधन हैं।
- राज्य सरकार जड़ी-बूटियों की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ वनवासियों समुदायों को आय के नए अवसर उपलब्ध करा रही है।

सरकार की नीतियों और समर्थन

- हर्बल उत्पादन और प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए विशेष नीति और वित्तीय प्रोत्साहन।
- किसानों को जड़ी-बूटी की खेती के लिए प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और बीज उपलब्धता।
- किसान उत्पादक संगठनों (FPOS) और स्व सहायता समूहों को हर्बल वैल्यू चेन से जोड़ना।
- अनुसंधान एवं विकास के लिए संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग।
- जड़ी-बूटियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष अभियान।

रोजगार और आर्थिक विकास को नई गति

- यह इकाई सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से 2,000 से अधिक लोगों को रोजगार देगी।
- स्थानीय किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी।
- हर्बल उद्योगों से जुड़े स्टार्टअप और छोटे उद्यमों को बढ़ावा मिलेगा।
- युवाओं के लिए कौशल विकास और उद्योग आधारित प्रशिक्षण के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

आयुर्वेद और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा

- छत्तीसगढ़ में आयुर्वेद और वेलनेस टूरिज्म की अपार संभावनाएं है।
- योग, पंचकर्म, आयुर्वेदिक चिकित्सा और हर्बल थेरेपी के क्षेत्र में राज्य को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाना।
- स्थानीय हर्बल उत्पादों को वेलनेस रिसॉर्ट्स, आयुर्वेदिक केंद्रों और पर्यटन स्थलों से जोड़ना।
- आयुर्वेदिक शिक्षा, शोध और इनोवेशन के माध्यम से वैश्विक बाजार में पहचान बनाना।

लोक विकास से लोक वैज्ञानिक क्रांति तक

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ लोक विकास की दिशा में अग्रसर है। हर्बल और आयुर्वेदिक क्षेत्र में यह पहल राज्य को आत्मनिर्भर, स्वस्थ और समृद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गुणवत्ता और नवाचार पर विशेष ध्यान

छत्तीसगढ़ में हर्बल एवं आयुर्वेदिक क्षेत्र को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने के लिए आधुनिक तकनीक से सुसज्जित प्रयोगशालाओं और अनुसंधान केंद्रों की स्थापना की गई है। इन केंद्रों में जड़ी-बूटियों की गुणवत्ता, शुद्धता, औषधीय गुणों तथा उत्पादों की प्रभावशीलता की वैज्ञानिक जांच की जाती है, जिससे उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध हो सकें।

छत्तीसगढ़ की समृद्ध वन संपदा और पारंपरिक ज्ञान आज जड़ी-बूटियों के माध्यम से नई पहचान प्राप्त कर रहा है। राज्य के वन क्षेत्रों में उपलब्ध औषधीय पौधे न केवल स्वास्थ्य संवर्धन का आधार बन रहे हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा दे रहे हैं। जड़ी-बूटियों के संरक्षण, वैज्ञानिक उपयोग और प्रसंस्करण के माध्यम से स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों की बढ़ती मांग के बीच छत्तीसगढ़ अपनी प्राकृतिक संपदा को आर्थिक शक्ति में बदलने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे किसानों, वनवासियों और महिला स्व-सहायता समूहों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है।

अशोक
महिलाओं के स्वास्थ्य और हार्मोन संतुलन में सहायक।

शतावरी
शक्ति व स्टेमिना बढ़ाने, हॉर्मोनल वैलेंस के लिए लाभकारी।

कालमेघ
लिवर की सेहत, प्रतिरक्षा बढ़ाने और बुखार में उपयोगी।

गिलोय
इम्यूनिटी बढ़ाने, डायबिटीज और बुखार में लाभकारी।

जंगली हल्दी
त्वचा की देखभाल, सौंदर्य प्रसाधन और आयुर्वेदिक उपचारों के लिए गुणकारी

बहेड़ा
गले के रोग, खाँसी और पाचन विकारों में लाभकारी।

आंवला
विटामिन सी से भरपूर, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला।

सफेद मुसली
ऊर्जा, शक्ति और शारीरिक कमजोरी दूर करने में सहायक।

छत्तीसगढ़ की ये जड़ी-बूटियाँ स्वास्थ्य के साथ-साथ आर्थिक समृद्धि का भी आधार बनेंगी।

पर्यावरण संरक्षण को बल
जड़ी-बूटियों की खेती और संरक्षण से वनों का संरक्षण होगा और पारिस्थितिकी तंत्र संतुलित रहेगा।

वैश्विक बाजार में पहचान
हर्बल उत्पादों की बढ़ती मांग से छत्तीसगढ़ के उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहचान बनाएंगे।

स्वस्थ समाज, समृद्ध राज्य
आयुर्वेद और हर्बल उत्पादों के प्रचार-प्रसार से समाज स्वस्थ होगा और राज्य की आर्थिक प्रगति सुनिश्चित होगी।

किसानों की समृद्धि
जड़ी-बूटी की खेती से किसानों की आय में वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

भविष्य की दिशा
छत्तीसगढ़ को हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों का वैश्विक हब बनाना हमारा संकल्प है।

छत्तीसगढ़ - हर्बल हब, आयुर्वेद की नई पहचान

छत्तीसगढ़ संवाद आर.ओ-48387/2

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26